नई दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, झारखंड, उड़ीसा, बिहार से प्रसारित

सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh

RNI No :- DELHIN/2023/86499
DCP Licensing Number : F.2 (P-2)
Press/2023

परिवहन विशेष

www.newsparivahan.com

वर्ष 03, अंक 392, नई दिल्ली, बुधवार 01 अप्रैल 2026, मूल्य ₹ 5, पेज 8

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

रिश्ता चाहे इस धरती पर कोई भी हो, सबका सिर्फ़ एक ही पासवर्ड है, 'भरोसा'

04 जिला में गैस सिलेंडर आपूर्ति सुचारू रूप से जारी

06 अदृश्य सामग्री निर्माताओं का उदय

08 दो हफ्तों में छह रोबोटिक कैंसर -सर्जरी का मील का पत्थर हासिल किया

राजधानी में 'परिवहन विशेष' समाचार पत्र समूह के "तीसरे परिवहन विशेष कॉन्क्लेव एवं एक्सीलेंस अवार्ड समारोह 2026" का भव्य आयोजन; एक्सीलेंस अवाड्र्स से नवाजी गईं विशिष्ट हस्तियां

राजधानी दिल्ली के प्रतिष्ठित मावलंकर हॉल (कॉन्स्टीट्यूशन क्लब) में 'परिवहन विशेष' समाचार पत्र समूह द्वारा आयोजित "तीसरे परिवहन विशेष कॉन्क्लेव एवं एक्सीलेंस अवार्ड समारोह 2026" का भव्य आयोजन संपन्न हुआ, जिसमें नीति निर्धारकों, कानूनी विशेषज्ञों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने एक मंच पर जुटकर भविष्य के सुरक्षित सफर का रोडमैप तैयार किया। इस अवसर पर सम्मानित गणमान्यों की एक झलक आपके सामने प्रस्तुत है:-

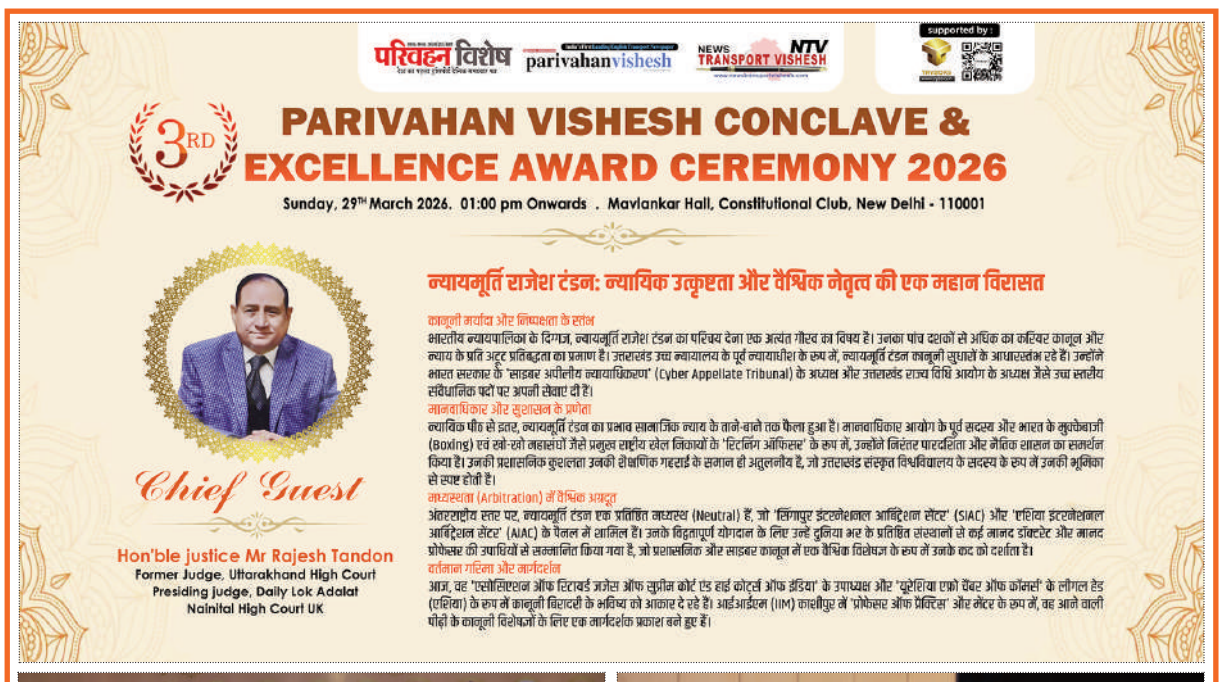

परिवहन विशेष parivahanvishesh NEWS TRANSPORT VISHESH NTV supported by:

3RD

PARIVAHAN VISHESH CONCLAVE & EXCELLENCE AWARD CEREMONY 2026

Sunday, 29TH March 2026. 01:00 pm Onwards . Mavlankar Hall, Constitutional Club, New Delhi - 110001

Guest of honor

DR. C.B. TRIPATHI
HOD Department of Biostatistics (IHBAS)

डॉ. चंद्र भूषण त्रिपाठी: बायोस्टैटिस्टिक्स और चिकित्सा अनुसंधान के क्षेत्र में एक प्रतिष्ठित नेतृत्व

अकादमिक उत्कृष्टता और विशेषज्ञता के पर्याय
डॉ. चंद्र भूषण त्रिपाठी एक सुप्रसिद्ध शिक्षाविद् हैं और वर्तमान में 'मानव व्यवहार एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान' (IHBAS), नई दिल्ली में बायोस्टैटिस्टिक्स (जैव सांख्यिकी) विभाग के अध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं। उन्होंने प्रतिष्ठित काशी हिंदू विश्वविद्यालय (BHU), वाराणसी से सांख्यिकी में एम.एससी. और बायोस्टैटिस्टिक्स में पी.एचडी. की उपाधि प्राप्त की है।
शिक्षण और अनुसंधान का विशाल अनुभव
25 वर्षों से अधिक के व्यापक शिक्षण अनुभव के साथ, डॉ. त्रिपाठी ने एमबीबीएस, एमडी, डीएम (न्यूरोलॉजी), एम.फार्म, एमबीए (फार्मा), एम.फिल (क्लिनिकल साइकोलॉजी) और पीएचडी कार्यक्रमों सहित चिकित्सा और संबद्ध विषयों के विस्तृत स्पेक्ट्रम में अपना बहुमूल्य योगदान दिया है। उनके अंत:विषय (Interdisciplinary) शिक्षण दृष्टिकोण ने स्वास्थ्य सेवा के विभिन्न क्षेत्रों में अनुसंधान क्षमता को महत्वपूर्ण रूप से मजबूत किया है।
अनुसंधान और वैश्विक पहचान
एक कुशल शोधकर्ता के रूप में, उन्होंने प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में 70 से अधिक शोध पत्र प्रकाशित किए हैं। उन्होंने 'सीआरसी प्रेस' (CRC Press) द्वारा मनोरोग में सांख्यिकीय विधियों पर प्रकाशित साहित्य की समीक्षा सहित उन्नत अकादमिक लेखन में भी योगदान दिया है। सह-मुख्य अन्वेषक के रूप में, उन्होंने कई आईसीएमआर (ICMR) और डीएसटी (DST) द्वारा वित्तपोषित परियोजनाओं का नेतृत्व किया है और विभिन्न चिकित्सा विशिष्टताओं में 30 से अधिक स्नातकोत्तर और डॉक्टरेट शोध प्रबंधों का सह-पर्यवेक्षण किया है।
सम्मान और अंतर्राष्ट्रीय सहभागिता
डॉ. त्रिपाठी की उत्कृष्टता को कई प्रतिष्ठित सम्मानों से नवाजा गया है, जिसमें इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (2023) द्वारा "चिकित्सा गुरु सम्मान" और फ्रांस में 'इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर क्लिनिकल बायोस्टैटिस्टिक्स' सम्मेलन में प्राप्त अंतर्राष्ट्रीय मान्यता शामिल है।
एक वैश्विक विद्वान के रूप में, उन्हें अमेरिका, फ्रांस, दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका के अकादमिक मंचों पर आमंत्रित किया गया है, जहाँ उन्होंने 45 से अधिक विशेषज्ञ व्याख्यान दिए हैं। 'इंटरनेशनल स्टैटिस्टिकल इंस्टीट्यूट' सहित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पेशेवर निकायों में उनकी सक्रिय भूमिका, भारत में बायोस्टैटिस्टिक्स और साक्ष्य-आधारित स्वास्थ्य अनुसंधान को आगे बढ़ाने में उनके स्थायी योगदान को दर्शाती है।

परिवहन विशेष parivahanvishesh NEWS TRANSPORT VISHESH NTV supported by:

3RD

PARIVAHAN VISHESH CONCLAVE & EXCELLENCE AWARD CEREMONY 2026

Sunday, 29TH March 2026. 01:00 pm Onwards . Mavlankar Hall, Constitutional Club, New Delhi - 110001

Guest of honor

DR. SANJAY KUMAR RAI
Professor Center for Community Medicine (AIIMS)

प्रो. (डॉ.) संजय के. राय: सार्वजनिक स्वास्थ्य और वैक्सीन अनुसंधान के क्षेत्र में एक वैश्विक नेतृत्व

महामारी विज्ञान और सार्वजनिक नीति के विशेषज्ञ
प्रो. (डॉ.) संजय के. राय एक प्रतिष्ठित सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ और 'अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान' (AIIMS), नई दिल्ली के सेंटर फॉर कम्युनिटी मेडिसिन में प्रोफेसर हैं। एमबीबीएस, एमडी और एफआईपीएचए (FIPHA) जैसी उच्च शैक्षणिक योग्यताओं के साथ, उन्होंने राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर महामारी विज्ञान (Epidemiology), स्वास्थ्य प्रणालियों और संक्रामक रोग नियंत्रण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।
संपादकीय और नीतिगत नेतृत्व
डॉ. राय वर्तमान में 'विश्व स्वास्थ्य संगठन' (WHO) के दक्षिण-पूर्व एशिया पब्लिक हेल्थ जर्नल के संपादक के रूप में कार्यरत हैं और 'नेशनल मेडिकोस ऑर्गनाइजेशन' (NMO), दिल्ली राज्य के अध्यक्ष हैं। वे भारत सरकार के राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (NHM) के तहत एम्पावर्ड प्रोग्राम कमेटी (EPC) के गैर-आधिकारिक सदस्य भी हैं, जहाँ वे सार्वजनिक स्वास्थ्य नीतियों को आकार देने में अपना अमूल्य योगदान देते हैं।
अनुसंधान और अकादमिक उत्कृष्टता
200 से अधिक वैज्ञानिक प्रकाशनों और 50 से अधिक शोध परियोजनाओं के साथ, डॉ. राय को उनकी अकादमिक उत्कृष्टता के लिए व्यापक रूप से पहचाना जाता है। उन्हें 'डॉ. जे.ई. पार्क मेमोरियल ओरेशन' और 'इंडियन पब्लिक हेल्थ एसोसिएशन' (IPHA) की फैलोशिप जैसे प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है। उन्होंने राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम, टीबी उन्मूलन कार्यक्रम और एनएचएम (NHM) जैसे प्रमुख राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। टीकाकरण और संक्रामक रोगों के प्रमुख विशेषज्ञ के रूप में, उन्होंने इन्फ्लुएंजा पर व्यापक कार्य किया है और सीडीसी (CDC), अटलांटा तथा अलबामा विश्वविद्यालय, अमेरिका के सहयोग से प्रमुख वैक्सीन प्रभावशीलता अध्ययन आयोजित किए हैं।
कोविड-19 महामारी और कोवैक्सिन (COVAXIN) में योगदान
कोविड-19 महामारी के दौरान, उन्होंने सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रतिक्रिया और वैक्सीन विकास में रणनीतिक नेतृत्व प्रदान किया। एम्स (AIIMS) में कोवैक्सिन (COVAXIN) परीक्षणों के मुख्य अन्वेषक (Principal Investigator) के रूप में, उन्होंने इसके चरण 1, 2 और 3 के अध्ययनों का नेतृत्व किया, जिससे राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर वैक्सीन की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण मदद मिली।

परिवहन विशेष parivahanvishesh NEWS TRANSPORT VISHESH NTV supported by:

3RD

PARIVAHAN VISHESH CONCLAVE & EXCELLENCE AWARD CEREMONY 2026

Sunday, 29TH March 2026. 01:00 pm Onwards . Mavlankar Hall, Constitutional Club, New Delhi - 110001

Guest of honor

DR. RACHNA AGARWAL
Professor & HOD Department of Neurochemistry, Institute of Human Behaviour and Allied Science (IHBAS)

डॉ. रचना अग्रवाल: न्यूरोकेमिस्ट्री और क्लिनिकल डायग्नोस्टिक्स के क्षेत्र में एक अग्रणी नाम

चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान की विशेषज्ञ
डॉ. रचना अग्रवाल एक प्रतिष्ठित चिकित्सा शिक्षाविद हैं और वर्तमान में 'मानव व्यवहार एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान' (IHBAS), नई दिल्ली में न्यूरोकेमिस्ट्री विभाग की प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं। उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय के लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज से एमबीबीएस और यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज (UCMS), दिल्ली से मेडिकल बायोकैमिस्ट्री में एमडी की उपाधि प्राप्त की। उन्होंने जर्मनी के वॉन गोएथे मेडिकल कॉलेज, फ्रैंकफर्ट से 'सेरेब्रल इस्किमिया' में मानद फेलोशिप प्राप्त कर अपनी विशेषज्ञता को और अधिक सुदृढ़ किया है।
शिक्षण और मेंटरशिप का विशाल अनुभव
30 वर्षों से अधिक के शिक्षण अनुभव के साथ, डॉ. अग्रवाल ने एमबीबीएस, एमडी (मनोचिकित्सा), डीएम (न्यूरोलॉजी), एम.फिल (क्लिनिकल साइकोलॉजी) और पीएचडी कार्यक्रमों सहित विभिन्न विषयों के छात्रों का मार्गदर्शन किया है। अकादमिक उत्कृष्टता के प्रति उनकी प्रतिबद्धता ने चिकित्सा शिक्षा और अंतर-विषयक प्रशिक्षण की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।
अनुसंधान और नवाचार
एक कुशल शोधकर्ता के रूप में, उन्होंने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में 65 से अधिक शोध पत्र प्रकाशित किए हैं और प्रयोगशाला गुणवत्ता कार्यान्वयन व चिकित्सा शिक्षा पर चार पुस्तकें लिखी हैं। उनका शोध मुख्य रूप से अल्जाइमर और पार्किंसंस जैसे न्यूरोडीजेनेरेटिव रोगों के नैदानिक, आनुवंशिक और जैव-रासायनिक बायोमार्कर (Biomarkers) पर केंद्रित है।
3डॉ. अग्रवाल ने NABL के लिए लीड और तकनीकी मूल्यांकनकर्ता (Assessor) तथा NABH एवं NHSRC के मूल्यांकनकर्ता के रूप में भारत भर के कई स्वास्थ्य संस्थानों का निरीक्षण कर प्रयोगशाला गुणवत्ता मानकों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कई राष्ट्रीय कार्यशालाओं के माध्यम से पेशेवरों को आईएसओ (ISO) मानकों में प्रशिक्षित भी किया है।

नैदानिक योगदान (Clinical Contribution)

परिवहन विशेष parivahanvishesh NEWS TRANSPORT VISHESH NTV supported by:

3RD

PARIVAHAN VISHESH CONCLAVE & EXCELLENCE AWARD CEREMONY 2026

Sunday, 29TH March 2026. 01:00 pm Onwards . Mavlankar Hall, Constitutional Club, New Delhi - 110001

Guest of honor

DR. UDAY KUMAR SINHA
Professor, Department of Clinical Psychology, Institute of Human Behavior and Allied Science (IHBAS)

डॉ. उदय के. सिन्हा: नैदानिक मनोविज्ञान और मानसिक स्वास्थ्य नेतृत्व के अग्रदूत

अनुभव और अकादमिक उत्कृष्टता की प्रतिमूर्ति
डॉ. उदय के. सिन्हा एक प्रतिष्ठित मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ हैं और वर्तमान में 'मानव व्यवहार एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान' (IHBAS), दिल्ली में नैदानिक मनोविज्ञान (Clinical Psychology) के अतिरिक्त प्रोफेसर के रूप में कार्यरत हैं। मूल रूप से गया, बिहार के रहने वाले डॉ. सिन्हा ने मगध विश्वविद्यालय, बोधगया से अपनी स्नातकोत्तर शिक्षा पूरी की, जिसके बाद उन्होंने केंद्रीय मनश्चिकित्सा संस्थान (CIP), रांची से नैदानिक मनोविज्ञान में पेशेवर प्रशिक्षण प्राप्त किया। उन्होंने अपनी डॉक्टरेट की उपाधि देश के प्रतिष्ठित 'राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य और तंत्रिका विज्ञान संस्थान' (NIMHANS), बेंगलुरु से प्राप्त की है।
शिक्षण और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर योगदान
तीन दशकों से अधिक के अनुभव के साथ, डॉ. सिन्हा भारत और विदेशों में नैदानिक मनोविज्ञान के शिक्षण, प्रशिक्षण और इसे आगे बढ़ाने में एक अग्रणी नाम रहे हैं। उन्होंने इहबास (IHBAS), दिल्ली में पेशेवर नैदानिक मनोविज्ञान प्रशिक्षण कार्यक्रमों की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके नाम एक दुर्लभ उपलब्धि दर्ज है—उन्होंने नेपाल के 'इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिसिन', काठमांडू में स्नातकोत्तर नैदानिक मनोविज्ञान कार्यक्रम की शुरुआत की थी।
मेंटरशिप और अनुसंधान
डॉ. सिन्हा ने भारत और नेपाल में नैदानिक मनोवैज्ञानिकों के 25 से अधिक बैचों का मार्गदर्शन किया है और 100 से अधिक स्नातकोत्तर और डॉक्टरेट अनुसंधान परियोजनाओं का पर्यवेक्षण किया है। उनके विद्वतापूर्ण योगदान में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में असंख्य प्रकाशन, पुस्तक अध्याय और भारत एवं एशिया में व्यापक रूप से उपयोग किए जाने वाले मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन उपकरणों का विकास शामिल है।
बाल एवं किशोर मानसिक स्वास्थ्य में विशेषज्ञता
बाल और किशोर मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक सम्मानित विशेषज्ञ के रूप में, उनके कार्य को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है और उनके शोध को स्नातकोत्तर शिक्षण संसाधनों में शामिल किया गया है। उन्होंने मानसिक स्वास्थ्य नीति निर्धारण में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है।
लोक सेवा और संकट प्रबंधन : कोविड-19 महामारी के दौरान, उन्होंने इहबास (IHBAS) में संकट परामर्श सेवाओं (Crisis Counseling) का नेतृत्व किया और जनता को महत्वपूर्ण मानसिक स्वास्थ्य सहायता प्रदान की। दिल्ली में मानसिक विकलांगता मूल्यांकन और प्रमाणन (Certification) के क्षेत्र में उनका अद्वितीय कार्य जन सेवा और पेशेवर उत्कृष्टता का एक मानक (Benchmark) माना जाता है।

परिवहन विशेष parivahanvishesh NEWS TRANSPORT VISHESH NTV supported by:

3RD

PARIVAHAN VISHESH CONCLAVE & EXCELLENCE AWARD CEREMONY 2026

Sunday, 29TH March 2026. 01:00 pm Onwards . Mavlankar Hall, Constitutional Club, New Delhi - 110001

Guest of honor

Maharaj Singh
Expert motor vehicle Act and rules

महाराज सिंह: राष्ट्रीय सुरक्षा और नियामक उत्कृष्टता के सजग प्रहरी

श्री महाराज सिंह का परिचय देना हमारे लिए बड़े गर्व की बात है। वे एक ऐसे प्रतिष्ठित विशेषज्ञ हैं जिनका संपूर्ण करियर राष्ट्र की सुरक्षा और संरक्षा के प्रति समर्पित रहा है। भारतीय वायु सेना के दिग्गज (Veteran) और एक अनुभवी नियामक अधिकारी के रूप में, श्री सिंह वर्तमान में सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय (MoRTH) में सलाहकार के रूप में कार्यरत हैं, जहाँ वे भारत के ऑटोमोटिव परिदृश्य को आकार देने में एक प्रमुख सूत्रधार की भूमिका निभा रहे हैं।
विमानन की सटीकता से सड़क मार्ग के नियमों तक
भारतीय वायु सेना में 15 वर्षों के कठोर अनुभव के साथ—जहाँ उन्होंने फ्लाइंग कंट्रोल से लेकर हाइड्रोलिक और न्यूमैटिक सिस्टम जैसे जटिल विमान प्रणालियों का प्रबंधन किया—श्री सिंह ने नागरिक प्रशासन में सैन्य-स्तर की सटीकता को शामिल किया। इसी मजबूत आधार ने दिल्ली सरकार (GNCT) के मोटर वाहन विभाग में उनके 26 वर्षों के शानदार कार्यकाल का मार्ग प्रशस्त किया, जहाँ उन्होंने रोडवर्थनेस (सड़क योग्यता), वाहन पंजीकरण और मोटर वाहन कानूनों के प्रवर्तन की बारीकियों में महारत हासिल की।
कानून निर्माण में एक दूरदर्शी
राष्ट्रीय स्तर पर, श्री सिंह उस कोर टीम के महत्वपूर्ण सदस्य हैं जो मोटर वाहन अधिनियम और केंद्रीय मोटर वाहन नियम (CMVR) में संशोधन के लिए जिम्मेदार है। महत्वपूर्ण सूचनाओं (Notifications) के प्रकाशन और 'ऑटोमोटिव उद्योग मानकों' (AIS) के विकास में उनकी विशेषज्ञता अत्यंत प्रभावशाली है। 'टाइप अप्रूवल सर्टिफिकेट' (TAC) से लेकर 'उत्पादन की अनुरूपता' (COP) तक, उनकी निगरानी यह सुनिश्चित करती है कि भारतीय सड़कों पर चलने वाला हर वाहन सुरक्षा के उच्चतम मानकों पर खरा उतरे।
बहुआयामी विशेषज्ञता
यांत्रिक सुरक्षा के अलावा, श्री सिंह भूमि अधिग्रहण कानून, सूचना का अधिकार (RTI) और व्यापक सड़क सुरक्षा रणनीतियों के विशेषज्ञ हैं। एक वायु सेना योद्धा से लेकर सेवानिवृत्त मोटर वाहन निरीक्षक और अब एक मंत्रालय सलाहकार तक की उनकी यात्रा अनुशासन, तकनीकी प्रतिभा और एक सुरक्षित व अधिक विनियमित भारत के निर्माण की अटूट प्रतिबद्धता की मिसाल है।

परिवहन विशेष parivahanvishesh NEWS TRANSPORT VISHESH NTV supported by:

3RD

PARIVAHAN VISHESH CONCLAVE & EXCELLENCE AWARD CEREMONY 2026

Sunday, 29TH March 2026. 01:00 pm Onwards . Mavlankar Hall, Constitutional Club, New Delhi - 110001

Guest of honor

Mukesh Dayal
ex DTO Delhi Transport Department

मुकेश दयाल: परिवहन शासन और सड़क सुरक्षा में उत्कृष्टता की एक मिसाल

श्री मुकेश दयाल ने दिल्ली सरकार (GNCTD) के परिवहन विभाग में 33 वर्षों की शानदार सेवा के बाद जिला परिवहन अधिकारी (DTO) के पद से सेवानिवृत्ति प्राप्त की है। उनका संपूर्ण कार्यकाल मोटर वाहन अधिनियम और सड़क सुरक्षा के कड़े कार्यान्वयन के प्रति समर्पित रहा है।
तकनीकी दक्षता और न्यायसंगत मूल्यांकन
अपने सेवाकाल के दौरान, उन्होंने मोटर वाहन अधिनियम 1988 और केंद्रीय मोटर वाहन नियम 1989 के विभिन्न प्रावधानों को लागू करने में केंद्रीय भूमिका निभाई। वे ड्राइविंग लाइसेंस जारी करने के लिए 'दक्षता परीक्षण' (Test of Competence) के विशेषज्ञ रहे हैं, जिसमें ऑटोमेटेड ड्राइविंग टेस्ट ट्रैक जैसे उन्नत सिस्टम के माध्यम से चालक की क्षमता का सटीक मूल्यांकन किया जाता है। इसके अलावा, उन्होंने पीएसवी (PSV) बैज, कंडक्टर लाइसेंस और वाणिज्यिक ड्राइविंग लाइसेंस जारी करने जैसी जटिल प्रक्रियाओं को भी कुशलतापूर्वक संपन्न किया।
पर्यावरण संरक्षण और न्यायिक अनुपालन
मुकेश दयाल जी ने दिल्ली की सबसे बड़ी चिंता—वाहन प्रदूषण—के प्रबंधन में अत्यंत महत्वपूर्ण योगदान दिया है। एक विशेष रूप से नामित पंजीकरण प्राधिकरण (Registering Authority) के रूप में, उन्होंने माननीय एनजीटी (NGT) और CAQM के निर्देशों पर प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों के खिलाफ निरंतर सख्त कार्रवाई की। उन्होंने MoRTH द्वारा निर्धारित उत्सर्जन मानकों (Emission Norms) को लागू करने में माननीय उच्चतम न्यायालय के दिशा-निर्देशों का अक्षरश: पालन सुनिश्चित किया।
सड़क सुरक्षा और जवाबदेही
सड़क सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाते हुए, उन्होंने विशेष रूप से नामित लाइसेंसिंग प्राधिकरण के रूप में घातक दुर्घटनाओं (Fatal Accidents) में शामिल लाइसेंस धारकों के विरुद्ध कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई भी की। वाहनों के सत्यापन, पंजीकरण और फिटनेस जांच में उनकी विशेषज्ञता ने दिल्ली की परिवहन व्यवस्था को सुरक्षित और सुव्यवस्थित बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

परिवहन विशेष parivahanvishesh NEWS TRANSPORT VISHESH NTV supported by:

3RD

PARIVAHAN VISHESH CONCLAVE & EXCELLENCE AWARD CEREMONY 2026

Sunday, 29TH March 2026. 01:00 pm Onwards . Mavlankar Hall, Constitutional Club, New Delhi - 110001

Guest of honor

Yoginder Dagar
DGM (Cyclist)

योगेंद्र सिंह: वैश्विक पथिक और जीवटता के प्रेरणापुंज

श्री योगेंद्र सिंह का परिचय देना एक दुर्लभ सम्मान की बात है। उनका जीवन मानवीय इच्छाशक्ति की असीम संभावनाओं का एक जीता-जागता प्रमाण है। एयर इंडिया के पूर्व सहायक महाप्रबंधक रहे श्री सिंह ने एक प्रतिष्ठित कॉर्पोरेट लीडर से लेकर विश्व प्रसिद्ध एन्ड्योरेंस एथलीट, पर्यावरण योद्धा और प्रेरक वक्ता तक का सफर बेहद प्रभावशाली ढंग से तय किया है।
जीवटता के शिखर पुरुष
श्री सिंह ने दुनिया के सबसे कठिन और चुनौतीपूर्ण मैदानों में तिरंगा लहराया है। उन्होंने इंग्लैंड (1550 किमी) और फ्रांस (1250 किमी) में विश्व प्रसिद्ध लंबी दूरी की साइकिलिंग रेस सफलतापूर्वक पूरी की हैं। मध्य एशिया के पामीर हाईवे के दुर्गम रास्तों से लेकर मनाली-लेह और स्पीति घाटी के ऊंचे पहाड़ों तक, उनकी यात्राएं केवल भ्रमण नहीं, बल्कि इतिहास, सभ्यता और आत्म-खोज का एक गहरा शोध हैं। एक धावक (Marathoner) के रूप में भी उन्होंने लद्दाख और कारगिल की ऊंचाइयों से लेकर मुंबई और कोच्चि की सड़कों तक अपनी जीत के निशान छोड़े हैं।
सामाजिक परिवर्तन के सूत्रधार
उनकी साइकिल केवल यात्रा का साधन नहीं, बल्कि बदलाव का एक हथियार है। श्री सिंह ने भ्रष्टाचार के खिलाफ वैश्विक अभियान चलाए हैं और रोटरी क्लब के साथ मिलकर मधुमेह (Diabetes) की रोकथाम के लिए स्वास्थ्य कार्यक्रमों का नेतृत्व किया है। दुनिया के एकमात्र 1300 किमी के सामुदायिक साइकिलिंग आयोजन 'टूर डी कलिंगा' के मुख्य आयोजक और IIT दिल्ली में 'ग्रीन ऊर्जा कॉन्क्लेव' के संयोजक के रूप में, वे सतत विकास (Sustainability) आंदोलन के अग्रदूत बने हुए हैं।
वैश्विक मान्यता और सम्मान
उत्कृष्टता के प्रति उनके अटूट समर्पण के लिए उन्हें ब्रिटिश संसद (हाउस ऑफ कॉमन्स) में 'एक्सीलेंस अवार्ड' और भारत सरकार के सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा प्रतिष्ठित 'ग्रीन ग्लोब अवार्ड' से सम्मानित किया गया है। IAS अधिकारियों के प्रशिक्षु बैचों के मेंटर और युवाओं की सशक्त आवाज़, योगेंद्र सिंह आज लाखों लोगों को उद्देश्यपूर्ण जीवन, फिटनेस और पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित कर रहे हैं।

परिवहन विशेष parivahanvishesh NEWS TRANSPORT VISHESH NTV supported by:

3RD

PARIVAHAN VISHESH CONCLAVE & EXCELLENCE AWARD CEREMONY 2026

Sunday, 29TH March 2026. 01:00 pm Onwards . Mavlankar Hall, Constitutional Club, New Delhi - 110001

Guest of honor

Mr. AJOY SHAH
FOUNDER CEO VEDD CONSULTANT TRAINER COACH & MENTOR, FIELDS OF SALES & MARKETING, COMMUNICATION, TYRE CARE & SAFETY

अजय शाह: एक दूरदर्शी नेतृत्वकर्ता, मार्गदर्शक और स्थिरता के प्रबल पैरोकार

श्री अजय शाह का परिचय देना हमारे लिए बड़े सौभाग्य की बात है। 'वेद कंसल्टेंट' के संस्थापक और सीईओ के रूप में, उनका करियर कॉर्पोरेट उत्कृष्टता और परिवर्तनकारी नेतृत्व का एक बेहतरीन उदाहरण है। टायर उद्योग में चार दशकों से अधिक की शानदार यात्रा के साथ, श्री शाह एक कॉर्पोरेट पावरहाउस से एक प्रतिष्ठित ट्रेनर, कोच और मेंटर के रूप में उभरे हैं।
कॉर्पोरेट उत्कृष्टता के शिल्पकार
अपने गौरवशाली कार्यकाल के दौरान, विशेष रूप से JK टायर में सेल्स ट्रेनिंग फंक्शन का नेतृत्व करते हुए, श्री शाह 600 सदस्यीय वैश्विक मार्केटिंग टीम की प्रेरक शक्ति रहे। वे उस दूरदर्शी सोच के धनी हैं जिसने 700 आउटलेट्स वाली 'JK टायर स्टील व्हील्स' रिटेल चेन की स्थापना की और 'डायल-ए-टायर' जैसी नवीन उपभोक्ता सेवाओं की शुरुआत की। सेल्स कैपेबिलिटी बिल्डिंग और चैनल मैनेजमेंट में उनकी विशेषज्ञता ने भारत भर के 6,000 से अधिक भागीदारों को सशक्त बनाया है।
विद्वता और वैश्विक विशेषज्ञता
श्री शाह की योग्यताएं ज्ञान के प्रति उनकी अटूट जिज्ञासा को दर्शाती हैं। हंसराज कॉलेज और IMT गाजियाबाद के पूर्व छात्र होने के साथ-साथ उनके पास IIT दिल्ली, IIM लखनऊ और रटगर्स यूनिवर्सिटी (USA) से विशेष प्रमाणपत्र हैं। एक प्रमाणित प्रोफेशनल कोच और 'इमोशनल इंटेलिजेंस' विशेषज्ञ के रूप में, वे तकनीकी कौशल और सहानुभूतिपूर्ण नेतृत्व का एक दुर्लभ मेल प्रस्तुत करते हैं।
समाज और सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता
व्यापार से परे, श्री शाह एक समर्पित 'वायु मित्र' और टायर सुरक्षा विशेषज्ञ हैं। उनकी "ब्रीद दिल्ली" (Breathe Delhi) पहल और ATMA, SIAM तथा दिल्ली ट्रैफिक पुलिस के साथ उनका सहयोग, स्थिरता (Sustainability) और सड़क सुरक्षा के प्रति उनकी गहरी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।
देश के शीर्ष बी-स्कूलों के मेंटर और 'इंडियन सोसाइटी ऑफ ट्रेनिंग एंड डेवलपमेंट' के आजीवन सदस्य के रूप में, श्री अजय शाह अपने डिजिटल लर्निंग नवाचारों और संगठनात्मक एकीकरण के प्रति समर्पण के माध्यम से लाखों को प्रेरित कर रहे हैं।

परिवहन विशेष parivahanvishesh NEWS TRANSPORT VISHESH NTV supported by :

3RD PARIVAHAN VISHESH CONCLAVE & EXCELLENCE AWARD CEREMONY 2026

Sunday, 29TH March 2026. 01:00 pm Onwards . Mavlankar Hall, Constitutional Club, New Delhi - 110001

Guest of honor

Dr. Monika Koul
Professor from University of Delhi

प्रो. मोनिका कौल: वनस्पति विज्ञान और पर्यावरण संरक्षण की प्रखर ध्वजवाहक

डॉ. मोनिका कौल का परिचय देना हमारे लिए अत्यंत गौरव की बात है। वे दिल्ली विश्वविद्यालय में वनस्पति विज्ञान की प्रतिष्ठित प्रोफेसर हैं, जिनका शानदार करियर दो दशकों से अधिक के अभूतपूर्व शोध, शैक्षणिक नेतृत्व और पर्यावरण वकालत (Environmental Advocacy) तक फैला हुआ है। उच्चतम श्रेणी की विद्वान डॉ. कौल ने दिल्ली विश्वविद्यालय से अपनी एम.एससी., एम.फिल. (प्रथम स्थान प्राप्त) और पी.एच.डी. पूरी की, जिसने उनकी बौद्धिक कठोरता और वैज्ञानिक उत्कृष्टता की नींव रखी।

वैश्विक स्तर की विदुषी

एक कुशल शोधकर्ता और CSIR-JRF, SRF तथा रामरोषन साइंस राइटिंग फेलोशिप जैसे प्रतिष्ठित सम्मानों की प्राप्तकर्ता, डॉ. कौल 'पौधे और पर्यावरण के आपसी संबंधों' के अध्ययन में एक प्रमुख हस्ती बन गई हैं। पारिस्थितिकी (Ecology), प्रजनन जीव विज्ञान और पर्यावरण प्रबंधन में उनकी विशेषज्ञता ने उन्हें अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में व्यापक प्रकाशन और प्रदूषण व पादप जीव विज्ञान पर नीतिगत चर्चाओं को आकार देने का अवसर दिया है। दिल्ली स्कूल ऑफ क्लाइमेट चेंज एंड सस्टेनेबिलिटी की फेलो के रूप में, वे पारंपरिक वनस्पति विज्ञान और आधुनिक जलवायु लचीलेपन (Climate Resilience) के संगम पर खड़ी हैं।

प्रयोगशाला से परे गहरा प्रभाव

डॉ. कौल का प्रभाव केवल कक्षाओं तक सीमित नहीं है। वे एक प्रसिद्ध मेंटर (मार्गदर्शक) हैं, जो अंतर-विषयक अनुसंधान का नेतृत्व करती हैं और प्रमुख राष्ट्रीय संस्थानों के साथ सहयोग को बढ़ावा देती हैं। पर्यावरण के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता उन्हें मिले 'ग्रीन ग्लोब अवार्ड' में झलकती है, जो विज्ञान संचार और पर्यावरण जागरूकता की दिशा में उनके अथक प्रयासों का प्रमाण है।

एक दूरदर्शी नेतृत्व

वित्त पोषित अनुसंधान परियोजनाओं का नेतृत्व करने से लेकर महत्वपूर्ण प्रशासनिक भूमिकाएँ निभाने तक, डॉ. मोनिका कौल संस्थागत विकास की भावना का प्रतीक हैं। वे केवल एक शिक्षक ही नहीं, बल्कि एक 'वैज्ञानिक-संचारकर्ता' हैं, जो वनस्पति विज्ञान और जन-भागीदारी की शक्ति के माध्यम से एक स्थायी भविष्य के निर्माण के लिए समर्पित हैं।

परिवहन विशेष parivahanvishesh NEWS TRANSPORT VISHESH NTV supported by :

3RD PARIVAHAN VISHESH CONCLAVE & EXCELLENCE AWARD CEREMONY 2026

Sunday, 29TH March 2026. 01:00 pm Onwards . Mavlankar Hall, Constitutional Club, New Delhi - 110001

Guest of honor

PROF. DR. R.S. NEHRA
Academician. Entrepreneur National Security
Educator Visionary Scholar. Strategist

प्रो. डॉ. आर.एस. नेहरा: एक प्रखर शिक्षाविद, उद्यमी और राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीतिकार

प्रोफेसर (डॉ.) आर.एस. नेहरा एक बहुआयामी व्यक्तित्व हैं, जिनकी पहचान एक दूरदर्शी विद्वान, राष्ट्रीय सुरक्षा शिक्षक और एक कुशल रणनीतिकार के रूप में है। शिक्षा और सुरक्षा के क्षेत्र में नवाचार लाने के प्रति उनका समर्पण अतुलनीय है।

शैक्षणिक पृष्ठभूमि और अनुभव

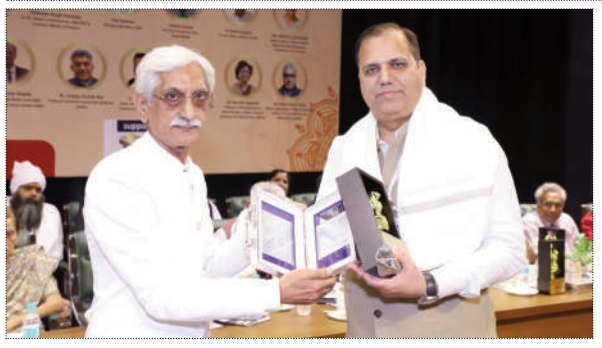

इस संगठन (ICSS) की स्थापना से पहले, डॉ. नेहरा ने दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित 'कॉलेज ऑफ वोकेशनल स्टडीज' (साउथ कैंपस) में लंबे समय तक अध्यापन कार्य किया। वर्ष 2008 तक दिल्ली विश्वविद्यालय में अपनी सेवाएं देने के दौरान, उन्होंने हजारों छात्रों के भविष्य को आकार दिया।

शिक्षा के क्षेत्र में नया अध्याय

शिक्षा को व्यावहारिक और उद्योग-केंद्रित बनाने के उद्देश्य से, उन्होंने वर्ष 2009 में 'प्रैग्मैटिक एजुकेशनल सोसाइटी' (PRAGMATIC EDUCATIONAL SOCIETY) की नींव रखी। इसी सोसाइटी के तत्वावधान में उन्होंने 'इंटरनेशनल कॉलेज फॉर सिक्योरिटी स्टडीज' (ICSS) की शुरुआत की।

राष्ट्रीय सुरक्षा और भविष्य की दृष्टि

ICSS के माध्यम से डॉ. नेहरा ने भारत में 'सुरक्षा अध्ययन' को एक नया आयाम दिया है। उनका लक्ष्य युवाओं को राष्ट्रीय सुरक्षा, रणनीतिक प्रबंधन और तकनीकी सुरक्षा के क्षेत्रों में वैश्विक स्तर पर सक्षम बनाना है। एक उद्यमी और विचारक के रूप में, वे शिक्षा जगत और सुरक्षा उद्योग के बीच की खाई को पाटने का निरंतर प्रयास कर रहे हैं।

परिवहन विशेष parivahanvishesh NEWS TRANSPORT VISHESH NTV supported by :

3RD PARIVAHAN VISHESH CONCLAVE & EXCELLENCE AWARD CEREMONY 2026

Sunday, 29TH March 2026. 01:00 pm Onwards . Mavlankar Hall, Constitutional Club, New Delhi - 110001

Guest of honor

Adv. Sangeeta Malhotra Talwar
Senior Panel Govt. Council for High court

एडवोकेट संगीता मल्होत्रा तलवार: न्याय, सशक्तिकरण और सामाजिक सुधार की प्रबल संवाहक

एडवोकेट संगीता मल्होत्रा तलवार का परिचय देना हमारे लिए गर्व का विषय है। वे एक गतिशील कानूनी विशेषज्ञ और समर्पित सामाजिक उत्प्रेरक हैं, जिनका जीवन सेवा और नेतृत्व की शक्ति का जीवंत उदाहरण है। उच्च न्यायालय की वरिष्ठ सरकारी पैनल काउंसिल और प्रतिष्ठित इंटरनेशनल काउंसिल ऑफ ज्यूरिस्ट्स (लंदन) की सदस्य के रूप में, एडवोकेट तलवार ने भारत के कानूनी और सामाजिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

कानूनी प्रतिभा और शैक्षणिक योगदान

B.Sc., LLB और LLM की मजबूत शैक्षणिक पृष्ठभूमि के साथ, उन्होंने न केवल कानून का अभ्यास किया है, बल्कि उसे एक नई दिशा भी दी है। वे नए भारतीय आपराधिक कानून (Bharatiya Criminal Law) पर तुलनात्मक अध्ययन की लेखिका और रचनाकार हैं, जो पारंपरिक न्यायशास्त्र और आधुनिक कानूनी सुधारों के बीच एक सेतु का कार्य करता है। भारतीय बोध संघ के कानूनी प्रकोष्ठ (Legal Cell) की सदस्य के रूप में उनकी भूमिका संवैधानिक मूल्यों के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

शासन और जमीनी स्तर पर नेतृत्व

अदालत के कमरों से परे, एडवोकेट तलवार सार्वजनिक जीवन की एक सशक्त नेता हैं। भाजपा महिला मोर्चा (दिल्ली प्रदेश) की कार्यकारी सदस्य और प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पश्चिम लोकसभा) की अध्यक्षा के रूप में, उन्होंने परिवर्तनकारी सरकारी योजनाओं को धरातल पर उतारने में अहम भूमिका निभाई है। समाज की जड़ों से जुड़ते हुए वे RWFA और बिग्नस्टार वेलफेयर ट्रस्ट की अध्यक्ष के रूप में बच्चों की शिक्षा और महिला सशक्तिकरण के लिए निरंतर कार्यरत हैं।

सांस्कृतिक और सामाजिक नेतृत्व

राष्ट्रवादी मूल्यों में गहरी आस्था रखने वाली संगीता जी हिंदू आध्यात्मिक सेवा (RSS) की सदस्य हैं और हिंदू युवा वाहिनी की सलाहकार के रूप में भी अपनी सेवाएं दे रही हैं। स्वदेशी जागरण मंच की पूर्व सह-संयोजिका से लेकर अपनी वर्तमान बहुमुखी भूमिकाओं तक, एडवोकेट संगीता मल्होत्रा तलवार न्याय और सामाजिक समानता के क्षेत्र में एक मार्गदर्शक ज्योति बनी हुई हैं।

परिवहन विशेष parivahanvishesh NEWS TRANSPORT VISHESH NTV supported by :

3RD PARIVAHAN VISHESH CONCLAVE & EXCELLENCE AWARD CEREMONY 2026

Sunday, 29TH March 2026. 01:00 pm Onwards . Mavlankar Hall, Constitutional Club, New Delhi - 110001

Guest of honor

श्रीमद् जगतगुरु श्री ब्रह्ममाधव गोरेश्वराचार्य
ब्रजरसिक जी महाराज
केंद्रीय मुख्य संरक्षक सनातन धर्म
प्रतिनिधि सभा
केंद्रीय मार्गदर्शक मंडल सदस्य
विश्व हिंदू परिषद

परिवहन विशेष parivahanvishesh NEWS TRANSPORT VISHESH NTV supported by :

3RD PARIVAHAN VISHESH CONCLAVE & EXCELLENCE AWARD CEREMONY 2026

Sunday, 29TH March 2026. 01:00 pm Onwards . Mavlankar Hall, Constitutional Club, New Delhi - 110001

Performer

SANGEETA DASTIDAR
professional Kathak dancer
Tribunal Delhi

Sangeeta Dastidar, a professional Kathak dancer of Kalka bindadin lucknow gharana. She is a disciple of Pdt. Jaikishan Maharaj ji(son of Pdm vibhushan Pdt Birju Maharaj ji).
She is a master degree holder in kathak from Banaras Hindu University. She has also done masters from Kathak Kendra, New Delhi under Pdt. Jaikishan Maharaj ji & performed under his supervision in different parts of India.
She is also a trained classical vocalist & recieved prabhakar degree from Prayag Sangeet Samiti allahbad in Classical vocal & kathak.
Achievements-1. She has received CCRT young artist national scholarship from Ministry of Culture India
2. She is a Doordarshan graded artist
3. She is also a Spic Macay Empanelled artist & conducted workshops in many rural parts of the country.
4. She was given the title of Sangeet Kala Suman by Vishnu Digambar Paluskar Sangeet Samaroh Agra.
5. She was also given the title of Nanhe Ustad as a child artist by Sunbeam Group of Educational institutions Varanasi.
6. She has Won Gold & silver medal in the All India level competition organised by Prayag sangit samiti Allahbad
7. She has also received gold medal thrice in the national level competition organised by Pdt. Vishnu Digambar paluskar Sangeet Samaroh Agra .

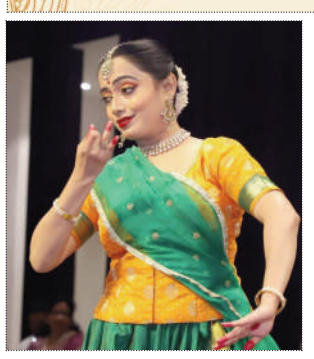

परिवहन विशेष parivahanvishesh NEWS TRANSPORT VISHESH NTV

3RD PARIVAHAN VISHESH CONCLAVE & EXCELLENCE AWARD CEREMONY 2026

Sunday, 29TH March 2026. 01:00 pm Onwards . Mavlankar Hall, Constitutional Club, New Delhi - 110001

supported by :

TRYBOXS
www.tryboxs.in

TRANSPORT VISHESH NEWS LIMITED
www.newsparivahan.com, www.newstransport.in

परिवहन विशेष parivahanvishesh NEWS TRANSPORT VISHESH NTV supported by :

3RD PARIVAHAN VISHESH CONCLAVE & EXCELLENCE AWARD CEREMONY 2026

Sunday, 29TH March 2026. 01:00 pm Onwards . Mavlankar Hall, Constitutional Club, New Delhi - 110001

Guest of honor

ROCHIKA AGARWAL
PRESIDENT,
VISHWA SANATAN HINDU SANGH

Rochika Agarwal is a multifaceted personality, a powerful orator, and a dedicated social worker currently serving as a National Media Panelist for the Bharatiya Janata Party (BJP). She is a prominent face on leading national news channels, where she articulates the party's vision and policies. Additionally, she serves as the Co-Convener of the Cultural Cell for BJP Delhi State.

Educational & Professional Background:

Ms. Agarwal possesses an impressive academic portfolio, holding a Master of Computer Applications (MCA) from IGNOU, an MBA from IMT Ghaziabad, and a B.Sc. in Mathematics from Meerut University. Her diverse expertise extends to the arts and design, with a Post Graduate Diploma in Interior Designing from England and the title of 'Prabhakar' in Kathak Dance from Allahabad University. Professionally, she is a fashion designer at 'RAJWARAS' Garment Studio, a brand she elevated alongside her mother, Chitra Agarwal.

Key Responsibilities & Leadership:

Advisory Roles: She has served as an Advisor to the Central Board of Film Certification (CBFC) under the Ministry of Information & Broadcasting, Government of India.
Social Leadership: She holds the positions of President of the Vishv Sanatan Hindu Sangh and National Director of the National Child and Women Development Council.
Global Representation: In 2020, she was invited to the United Nations Headquarters in New York to participate in the preparatory meeting for the Ocean Conference.

Social & Cultural Contributions:

As a committed social activist, she works tirelessly for women's empowerment, child education, and support for cancer warriors. She is also a passionate promoter of Indian heritage as a Kathak dancer and theatre actor. Her contributions have been recognized with numerous accolades, including the 'Dr. Sarojini Naidu International Award' and the 'Nari Shakti Samman'

परिवहन विशेष parivahanvishesh NEWS TRANSPORT VISHESH NTV supported by :

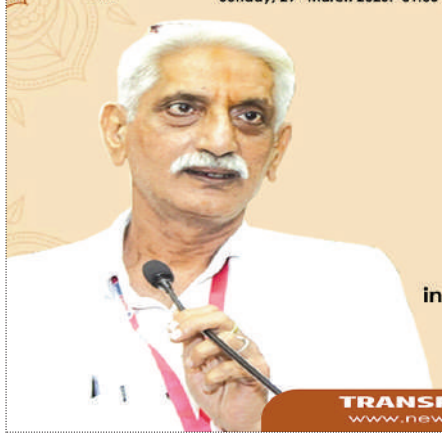

3RD PARIVAHAN VISHESH CONCLAVE & EXCELLENCE AWARD CEREMONY 2026

Sunday, 29TH March 2026. 01:00 pm Onwards . Mavlankar Hall, Constitutional Club, New Delhi - 110001

धन्यवाद

SHRI. SANJAY KUMAR BATHLA
Organizer, Editor in Chief
A journalist specializing in transport policy and public interest issues. For over a decade, he has produced in-depth analysis and reporting on policies related to road safety, clean transport, and technological innovation.

TRANSPORT VISHESH NEWS LIMITED
www.newsparivahan.com, www.newstransport.in

15 वर्ष की समर्पित एवं उत्कृष्ट सेवा के बाद डीआईपीआरओ सतीश कुमार सेवानिवृत्त

परिवहन विशेष न्यूज

गरिमामयी समारोह में भावभीनी विदाई, अधिकारियों व कर्मचारियों ने किया सम्मानित

झज्जर, 31 मार्च। जिला सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी सतीश कुमार 15 वर्ष की संतोषजनक, समर्पित एवं सराहनीय सेवा पूर्ण करने के उपरांत मंगलवार को सेवानिवृत्त हो गए। इस अवसर पर जिला सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग द्वारा उनके सम्मान में विदाई समारोह का आयोजन किया गया।

इससे पहले सतीश कुमार ने लगभग 20 वर्ष भारतीय वायुसेना में भी कार्य किया है, इसके उपरांत वे 2011 में सहायक सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी नियुक्त हुए थे।

समारोह के दौरान अधीक्षक धर्मबीर सिंह गुलिया, एआईपीआरओ बेरी डॉ अश्वनी कुमार और समस्त स्टाफ सदस्यों ने डीआईपीआरओ सतीश कुमार के सेवाकाल को याद करते हुए उनके व्यक्तित्व एवं कार्यशैली की भूरि-भूरि प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि सतीश कुमार ने अपने पूरे कार्यकाल में कर्तव्यनिष्ठा, ईमानदारी एवं जिम्मेदारी का परिचय देते हुए विभागीय दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन किया। उन्होंने सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, नीतियों एवं कार्यक्रमों को आमजन तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई।

उन्होंने कहा कि सतीश कुमार का सरल स्वभाव, सहयोगात्मक दृष्टिकोण एवं कार्य के प्रति समर्पण सदैव प्रेरणादायक रहेगा। उनके मार्गदर्शन में विभाग ने अनेक महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं, जिन्हें हमेशा याद रखा जाएगा।

इस अवसर पर कार्यालय अधीक्षक धर्मबीर सिंह गुलिया व समस्त स्टाफ सदस्यों ने डीआईपीआरओ सतीश कुमार स्मृति चिन्ह एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया। स्टाफ सदस्यों ने उनके उज्ज्वल, स्वस्थ एवं सुखद भविष्य की कामना करते हुए कहा कि वे अपने जीवन के इस नए चरण में भी इसी ऊर्जा और सकारात्मकता के साथ आगे बढ़ते रहें। अपने संबोधन में डीआईपीआरओ सतीश कुमार ने विभाग में मिले सहयोग, स्नेह एवं विश्वास के लिए सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि विभाग में बिताया गया समय उनके जीवन का अत्यंत महत्वपूर्ण एवं यादगार अध्याय रहेगा। हमें हिम्मत नहीं हारनी चाहिए, लक्ष्य के साथ आगे बढ़ना चाहिए, टीमवर्क और समर्पण के बल पर ही किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है।

इस अवसर पर रिटायर्ड कानूनगो सुनील डांगी, मेनपाल रोहतक, रेवाड़ी से दिनेश यादव, सुरेश चौधरी, पत्रकार प्रदीप धनखड़, चैनसुख गुरहिया, संजीत खन्ना, सुमित थरान, रमाकान्त मित्तल, राकेश कुमार, बलराज सिंहल, आशीष कुमार, विक्की जाखड़ अविनाश कुमार, भोपाल किशन, मनोज कुमार सहित एआईपीआरओ बेरी और बहादुरगढ़ कार्यालय के स्टाफ सदस्य उपस्थित थे।

होम डिलीवरी पर देना है गैस सिलेंडर, परंतु नहीं दे रहे होम डिलीवरी, फिर भी ले रहे हैं पूरा पैसा।

हिसार/हरियाणा (नरेश गुणपाल)

गैस सिलेंडर की घर पर पहुंच सुविधा गाँवों में गैस एजेंसियां उन ग्राहकों को दे रही हैं जो यह सुविधा चाहते हैं, लेकिन उन ग्राहकों को जो होम डिलीवरी नहीं चाहते हर माह खुद रिफिलिंग कराने एजेंसी जाते हैं उनसे भी पूरा चार्ज ले लेते हैं, जबकि नियमानुसार ऐसे ग्राहकों को डिलीवरी चार्ज का पैसा वापस करना चाहिए। क्योंकि डिलीवरी चार्ज सिलेंडर के दाम में ही शामिल होता है।

जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में 15 किलोमीटर तक के दायरे में गैस एजेंसी को अपने ग्राहक के घर तक गैस सिलेंडर रिफिलिंग कराकर पहुंचाने का नियम है। होम डिलीवरी के लिए चार्ज भी लिया जाता है लेकिन गैस एजेंसियां होम डिलीवरी की सुविधा नहीं देने के बावजूद एजेंसी जाने पर भी यह चार्ज ले रही है। गाँव खेदड में स्थित लक्ष्य इंडेन गैस एजेंसी काम कर रही है। इस एजेंसी में सबसे ज्यादा ग्राहक है। होम डिलीवरी के नाम पर जो पैसे लेते है, वो भी वापस नहीं करते है न ही लोगों को इसके बारे में जानकारी देते हैं। लोग भी जानकारी नहीं होने से होम डिलीवरी का पैसा भी दे रहे हैं।

क्या है होम डिलीवरी का नियम

रिफिलिंग के लिए बुकिंग कराने के बाद गैस एजेंसी की ज़िम्मेदारी होती है कि वह घर तक सिलेंडर पहुंचाकर दे। ग्रामीण क्षेत्रों में 15 किलोमीटर तक फ्री होम डिलीवरी का नियम है। इसके लिए अलग से कोई चार्ज नहीं लगता है, क्योंकि गैस बुकिंग कराते समय होम डिलीवरी चार्ज के पैसे जोड़ दिए जाते हैं। अगर एजेंसी से ग्राहक स्वयं सिलेंडर रिफिलिंग कराने जा रहा है तो एजेंसी से होम डिलीवरी का पैसा वापस ले सकता है। कोई भी एजेंसी यह राशि देने से इनकार नहीं कर सकती।

मना करने पर यहां कर सकते हैं शिकायत

एजेंसी अगर होम डिलीवरी नहीं करती है या संचालक आपको यह राशि देने से मना करता है तो आप टोल फ्री नंबर 18002333555 पर उसकी शिकायत कर सकते हैं। साथ ही कंज्यूमर फोरम 1800114000 पर भी शिकायत की जा सकती है।

कार्रवाई न हो तो इस पोर्टल पर करें शिकायत

कार्रवाई नहीं होने पर लोक शिकायत पोर्टल https://pgportal.gov.in/ पर जाकर कंप्लेन कर सकते हैं।

हिसार जिले में गैस सप्लाई से सम्बंधित शिकायतों के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त

प्रशासन ने गैस की कालाबाजारी और अन्य शिकायतों के समाधान के लिए अलग-अलग क्षेत्रों के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी किए हैं। अगर आपको कोई समस्या है, तो आप इन नंबरों पर संपर्क कर सकते हैं:

उकलाना/बरवालाः चंद्रमोहन (9728761347)

हांसी व नारनौंदः आजाद (9729755538)

आदमपुरः प्रदीप कुहेल (9813029031)

हिसारः अशोक कुमार (7082496509)

गैस उपभोक्ता के प्रमुख अधिकार

घर तक डिलीवरी (Home Delivery): घर के पते पर सिलेंडर प्राप्त करना, बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के (यदि दूरी सामान्य सीमा के अंदर है)।

सुरक्षा जांच (Safety Inspection): उपभोक्ता का अधिकार है कि हर 5 साल में (या पीएनजी होने पर) एजेंसी से तकनीकी कर्मचारी बुलाकर गैस चूल्हा और पाइप की सुरक्षा जांच (Suraksha Check) करवाएं। इसके लिए एजेंसी जिम्मेदार है।

भरपूर वजन (Correct Weight): डिलीवरी लेते समय आप सिलेंडर का वजन करा सकते हैं। यदि वजन कम लगे, तो सिलेंडर वापस करने का अधिकार है।

OTP वेरिफिकेशन (OTP Verification): अब सिलेंडर की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, डिलीवरी के समय मोबाइल पर आए OTP को बताना अनिवार्य है।

उपभोक्ता बीमा (Consumer Insurance): गैस हादसे (आग/विस्फोट) की स्थिति में, उपभोक्ता 10 लाख रुपये तक के मुआवजे का हकदार है। हादसे की सूचना 3 दिन के अंदर एजेंसी को देना आवश्यक है।

शिकायत का अधिकार (Right to Complaint): यदि एजेंसी सिलेंडर नहीं देती, अतिरिक्त पैसे मांगती है या खराब व्यवहार करती है, तो आप 1906 (LPG इमरजेंसी हेल्पलाइन) या 1915 (राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन) पर शिकायत कर सकते हैं।

ये जानकारी देना न भूलें

जब भी आप शिकायत करें तो अपनी कंज्यूमर आईडी, बुकिंग नंबर और समस्या की पूरी जानकारी कस्टमर केयर के साथ साझा करें। साथ ही अगर आपके पास कोई मैसेज, बिल या स्क्रीनशॉट हो तो उसे डिलीट न करे। इससे आपकी शिकायत जल्दी और सही तरीके से सुलझाई जा सकती है।

आईटीआई पास छात्र-छात्राओं के लिए अप्रेंटिसशिप मेला आज

आईटीआई के प्राचार्य जीतपाल ने दी जानकारी

झज्जर, 31 मार्च। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, झज्जर एट गुढ़ा के प्रधानाचार्य जीतपाल ने बताया कि आईटीआई प्रांगण में एक अप्रैल बुधवार को प्रातः 10 बजे अप्रेंटिसशिप मेले का आयोजन किया जाएगा, जिसमें बिजली निगम के अधिकारी भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि वायर मेन, कोपा और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग व्यवसाय के जो आईटीआई पास छात्र-छात्राएं अपरेंटिस करना चाहते हैं. वो छात्र इस अप्रेंटिसशिप मेले में भाग ले सकते हैं। प्राचार्य ने बताया कि अप्रेंटिसशिप मेले में आईटीआई पास-आउट छात्र व छात्राओं का इंटरव्यू व लिखित परीक्षा ली जाएगी। जो छात्र छात्राएं रिटन टेस्ट व इंटरव्यू में अच्छे अंक प्राप्त करेंगे, उनको विभाग द्वारा अप्रेंटिस हेतु चयन किया जाएगा। अप्रेंटिसशिप मेले में भाग लेने वाले छात्र अपने साथ रिज्यूम, सभी दस्तावेजो (मेट्रिक/आईटीआई पास सर्टिफिकेट) की ओरिजिनल व फोटो कॉपी और 5 पासपोर्ट साइज फोटो साथ लाना अनिवार्य रहेगा।

समस्याओं का जल्द निवारण प्रशासन की पहली प्राथमिकता : डीसी

डीसी स्वप्निल रविन्द्र पाटिल ने अधिकारियों की बैठक में समाधान शिविरों से प्राप्त समस्याओं के निपटान के दिए निर्देश

झज्जर, 31 मार्च। डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने कहा कि समाधान शिविर आमजन की समस्याओं के समाधान का एक प्रभावी माध्यम है और इसमें प्राप्त प्रत्येक शिकायत का त्वरित व संतोषजनक निवारण सुनिश्चित करना प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे शिकायतों के प्रति संवेदनशील रहते हुए निर्धारित समयावधि में उनका समाधान करें। डीसी मंगलवार को लघु सचिवालय स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में विकास एवं पंचायत, राजस्व और पंचायती राज विभागो से संबंधित मामलों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि समाधान शिविर से प्राप्त समस्याओं का निर्धारित अवधि में समाधान जरूरी है। उपायुक्त ने निर्देश दिए कि जिन शिकायतों का समाधान किया जा चुका है, उनकी एटीआर समय पर प्रस्तुत की जाए, ताकि कार्यों की प्रभावी मॉनिटरिंग सुनिश्चित हो सके। उन्होंने बताया कि समाधान शिविरों के माध्यम से अब तक 5774 शिकायतें प्राप्त हुई हैं, जिनमें से 179 शिकायतें लंबित हैं। इन सभी लंबित शिकायतों का शीघ्र निपटान किया जाए। उन्होंने कहा कि समाधान शिविर का उद्देश्य केवल शिकायतों का निस्तारण करना नहीं, बल्कि शिकायतकर्ता की संतुष्टि सुनिश्चित करना भी है। इसलिए सभी अधिकारी जिम्मेदारी एवं गंभीरता के साथ कार्य करें और प्रत्येक शिकायत का गुणवत्तापूर्ण समाधान करें। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए शिकायतों के स्थायी समाधान की दिशा में कदम उठाए, ताकि भविष्य में उनकी पुनरावृत्ति न हो।

यह अधिकारी रहे मौजूद: बैठक में एडीसी जगनिवास, डीआरओ मनबीर सिंह, तहसीलदार श्री भगवान, बीडीपीओ बेरी राजाराम, बीडीपीओ झज्जर भारती शर्मा, बीडीपीओ मातनहेल अंजली शर्मा, बीडीपीओ बादली सुमित बेनीवाल, साल्हावास बीडीपीओ राहुल मेहरा, माछरौली बीडीपीओ धर्मपाल, बहादुरगढ़ जोगेंद्र सिंह, पंचायती राज के एसडीओ सौरभ उप्पल, मनीष दहिया, देवानन्द माछरौली विकास एवं पंचायत, राजस्व, पंचायती राज संस्थाओं से जुड़े अधिकारी उपस्थित रहे।

जिला में गैस सिलेंडर आपूर्ति सुचारू रूप से जारी

- डीसी स्वप्निल रविन्द्र पाटिल ने सम्बंधित अधिकारियों के साथ बैठक कर दिए जरूरी दिशा निर्देश

झज्जर, 31 मार्च। डीसी स्वप्निल रविन्द्र पाटिल ने कहा कि जिला में एलपीजी गैस की आपूर्ति पूरी तरह सुचारू रूप से चल रही है। प्रशासन द्वारा लगातार स्थिति पर नजर रखी जा रही है। इसके साथ साथ सम्बंधित विभागों के अधिकारी नियमित जांच सुनिश्चित करें। प्रत्येक उपभोक्ता को एलपीजी गैस और पेट्रो पदार्थों की सुगमता से आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। वर्तमान में जिला में 26 गैस एजेंसियां कार्यरत हैं और 10539 सिलेंडर उपलब्ध हैं और मांग केवल 7500 की ही है। उपायुक्त स्वप्निल रविन्द्र पाटिल ने मंगलवार को संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक कर जरूरी दिशा निर्देश दिए।

उपायुक्त ने कहा कि सभी एजेंसी उनके यहां उपलब्ध स्टॉक की पूर्ण जानकारी अपने परिसर के बाहर चस्पा करे और साथ ही जिन उपभोक्ताओं को अगले दिन सिलेंडर दिए जाने हैं उनकी सूची भी पहले दिन रात को या अल सुबह बाहर लगा दें। इससे एजेंसी के बाहर भीड़ नहीं होगी और लोगों को पता चल जाएगा कि सिलेंडर किसको मिलना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि हाल ही में सिलेंडर बुकिंग को लेकर सरकार द्वारा नियमों में किए गए बदलाव का प्रत्येक एजेंसी को पालन करना है। उन्होंने बताया कि संबंधित अधिकारियों की टीमो द्वारा गैस गोदाम के स्टॉक का निरीक्षण किया जा रहा है।

उन्होंने कहा है कि जिला के नागरिक गैस सिलेंडरों को लेकर चलाई जा रही अफवाहों पर ध्यान ना दें। जिला में गैस सिलेंडरों का पर्याप्त स्टॉक हैं और मांग से भी ज्यादा गैस सिलेंडर उपलब्ध हैं। लोगों को लाइन में लगकर परेशान होने की जरूरत नहीं है। ऑनलाइन माध्यम से भी आसानी से गैस सिलेंडर की बुकिंग की जा सकती है। लोगों को गैस को लेकर किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान नहीं देना चाहिए। उन्होंने कहा कि जिला में मांग से भी ज्यादा संख्या में गैस सिलेंडर उपलब्ध हैं और सभी एजेंसियों में सिलेंडरों का पर्याप्त स्टॉक है। जिला प्रशासन लगातार निगरानी भी कर रहा है और हर रोज स्टॉक व ट्रांजिट की रिपोर्ट ली जा रही है। साथ ही सभी एजेंसियों को स्टॉक की पूर्ण जानकारी प्रतिदिन के आधार पर चस्पा करने के निर्देश दिए गए हैं। अगर गैस सिलेंडरों को लेकर कोई कालाबाजारी करता है तो उसकी तुरंत सूचना नियंत्रण कक्ष के दूरभाष नंबर 01251-254270 पर दें। दोषी के खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही की जाएगी। इस अवसर पर खाद्य आपूर्ति विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

मिट्टीखोरों से खतरे में कानपुर की जमीन, अवैध उत्खनन में सफल माफिया

सुनील बाजपेई

कानपुर। यह महानगर आजकल मिट्टीखोरों के शिकंजे में है। कुल मिलाकर इन मिट्टी खोरों की वजह से ही कानपुर की जमीन खतरे में है। हाल के मामले का संबन्ध महाराजपुर थाना क्षेत्र से है। जहां बड़े पैमाने पर अवैध खनन का मामला सामने आया है। यहां महुआगांव के मजरा शीतलपुर, नागापुर के मजरा पतारी और सरसौल के मजरा रामपुर में भारी मात्रा में मिट्टी का अवैध उत्खनन पकड़ा गया है।

शिकायत के बाद मौके पर पहुंचे अधिकारियों को गांव वालों ने बताया कि पिछले एक महीने से लगातार मिट्टी की खुदाई और बिक्री की जा रही थी। इस संबंध में ग्रामीणों ने एसडीएम नरवल विवेक मिश्रा से शिकायत की, जिसके बाद जांच के आदेश दिए गए।

जब यहां कानूनगो अजीत सिंह, तीनों क्षेत्रीय लेखपाल और पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो उनकी जांच में पाया गया कि नागापुर के पतारी में 97 घनमीटर मिट्टी निकालने की अनुमति के खिलाफ वहां से 1350 घनमीटर मिट्टी का अवैध खनन किया गया। इसी प्रकार, रामपुर में 1440 घनमीटर और शीतलपुर में 750 घनमीटर मिट्टी का अवैध उत्खनन कर बेचा गया।

एसडीएम विवेक कुमार मिश्रा के मुताबिक तीनों गांवों में निजी जमीनों पर अवैध खनन के इस मामले की रिपोर्ट जिलाधिकारी को भेज आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

अंतरराष्ट्रीय ड्रग सिंडिकेट का पर्दाफाश, दिल्ली पुलिस ने 1.10 करोड़ रुपये के नशीले पदार्थ के साथ 4 तस्करों को दबोचा

पूर्वी जिले की एंटी नारकोटिक्स स्क्वॉड की बड़ी कार्रवाई, कोकीन और एमडीएमए बरामद, चोरी की स्कूटी और फर्जी नंबर प्लेट का भी खुलासा

स्वतंत्र सिंह भुल्लर नई दिल्ली

नई दिल्ली: दिल्ली पुलिस के पूर्वी जिले की एंटी नारकोटिक्स स्क्वॉड ने नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी सफलता हासिल करते हुए एक अंतरराष्ट्रीय ड्रग सिंडिकेट का भंडाफोड़ किया है। कार्रवाई के दौरान चार ड्रग तस्करों को गिरफ्तार किया गया, जिनमें दो विदेशी नागरिक भी शामिल हैं। पुलिस ने इनके कब्जे से करीब 1 करोड़ 10 लाख रुपये कीमत की भारी मात्रा में कोकीन और एमडीएमए बरामद की है। इसके साथ ही नशीले पदार्थों की सप्लाई में इस्तेमाल की जा रही दो स्कूटियां भी जब्त की गईं, जिनमें से एक पर फर्जी नंबर प्लेट लगी हुई थी और वह चोरी की निकली।पूर्वी जिले में नशा तस्करों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान एंटी नारकोटिक्स स्क्वॉड को सूचना मिली कि मोहम्मद हसन नाम का युवक प्रीत विहार स्थित चित्रा विहार झुग्गी रेड लाइट और कोहिनूर होटल के पास एमडीएमए की सप्लाई करने आने वाला है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने जाल बिछाया और मोहम्मद हसन को स्कूटी सहित पकड़ लिया। तलाशी लेने पर उसके पास से 7.58 ग्राम एमडीएमए बरामद हुई।पूछताछ में मोहम्मद हसन ने खुलासा किया कि वह यह नशीला पदार्थ एक अफ्रीकी मूल के व्यक्ति 'ऑस्कर' से लेता था, जो श्रीनिवासपुरी और आउटर रिंग रोड के आसपास उससे मिलता था। इसके बाद पुलिस ने 27 और 28 मार्च की रात श्रीनिवासपुरी के पास जाल बिछाकर अफ्रीकी नागरिक डियूफ सोलोमन उर्फ ऑस्कर को गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से 4.43 ग्राम एमडीएमए बरामद हुई। वह जिस स्कूटी पर सवार था, उस पर फर्जी नंबर प्लेट लगी हुई थी। जांच में पता चला कि यह स्कूटी उत्तम नगर इलाके से चोरी की गई थी।ऑस्कर लगातार अपना पता और अपने साथियों की जानकारी छिपाने की कोशिश करता रहा, लेकिन पुलिस ने तकनीकी जांच, सीसीटीवी फुटेज और अन्य माध्यमों की मदद से उसके ठिकाने का पता लगा लिया। इसके बाद अमृतपुरी स्थित उसके ठिकाने पर छापा मारा गया, जहां उसका साथी बेमाह भी मिला। दोनों की निशानदेही पर पुलिस ने 120.18 ग्राम कोकीन और 15.71 ग्राम एमडीएमए बरामद की। इसके अलावा एक इलेक्ट्रॉनिक पैकिंग मशीन, दो इलेक्ट्रॉनिक तराजू, खाली पॉलीथिन, छह मोबाइल फोन, दो पासपोर्ट और नकदी भी बरामद हुई।

जांच आगे बढ़ने पर मोहम्मद हसन ने एक महिला रजिया का नाम भी बताया, जो मंडावली क्षेत्र में नशीले पदार्थ बेचती थी। इसके बाद पुलिस ने कृष्णा पुरी, मंडावली स्थित उसके घर पर छापा मारा। वहां से 9.14 ग्राम एमडीएमए, एक इलेक्ट्रॉनिक तराजू, पैकिंग सामग्री और नकदी बरामद हुई। रजिया को भी गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस जांच में सामने आया कि मोहम्मद हसन पहले खुद एमडीएमए का सेवन करता था। इसी दौरान उसकी मुलाकात ऑस्कर से हुई और बाद में वह उससे छोटे पैकेट खरीदकर आगे बेचने लगा। बाद में उसने रजिया के साथ मिलकर इसे कमाई का जरिया बना लिया। यह पूरा गिरोह दिल्ली में युवाओं को निशाना बनाकर नशे का कारोबार कर रहा था और मोटे मुनाफे के लिए संगठित तरीके से ड्रग्स की सप्लाई करता था।दिल्ली पुलिस का कहना है कि नशे के खिलाफ यह अभियान आगे भी जारी रहेगा और ऐसे गिरोहों पर लगातार कार्रवाई की जाएगी, ताकि राजधानी को नशामुक्त बनाया जा सके।

गुजरात के साणंद में सेमीकॉन प्लांट के उद्घाटन पर पीएम मोदी का संबोधन, तकनीकी आत्मनिर्भरता पर जोर

संगिनी घोष

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साणंद में स्थित केन्स सेमीकॉन प्लांट के उद्घाटन के अवसर पर संबोधन किया, जो भारत को सेमीकंडक्टर निर्माण के क्षेत्र में मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने आत्मनिर्भर भारत और उन्नत तकनीकी विकास पर जोर देते हुए कहा कि सेमीकंडक्टर निर्माण देश की डिजिटल और औद्योगिक क्षमता को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाता है। उन्होंने यह भी कहा कि इस तरह की परियोजनाएं आयात पर निर्भरता कम करेंगी और घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देंगी।

यह प्लांट रोजगार सृजन, नवाचार और आर्थिक विकास को गति देने में सहायक होगा। साथ ही, इससे इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर क्षेत्र में और निवेश आकर्षित होने की संभावना है।

प्रधानमंत्री ने सरकार, उद्योग और वैश्विक भागीदारों के बीच सहयोग को भी महत्वपूर्ण बताया, जिससे भारत को उन्नत तकनीकी क्षेत्रों में तेजी से आगे बढ़ने में मदद मिलेगी।

ऐसे देखें तो यह पहल भारत को वैश्विक सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला में एक मजबूत खिलाड़ी बनाने और तकनीकी आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

मुख्य बिंदु

* पीएम नरेंद्र मोदी ने साणंद में उद्घाटन पर संबोधन दिया
* केन्स सेमीकॉन प्लांट का शुभारंभ
* सेमीकंडक्टर निर्माण में आत्मनिर्भरता पर जोर
* रोजगार, निवेश और नवाचार को बढ़ावा
* वैश्विक टेक सप्लाई चेन में भारत की भूमिका मजबूत

SEO Meta Description:

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के साणंद में केन्स सेमीकॉन प्लांट के उद्घाटन पर संबोधन देते हुए सेमीकंडक्टर निर्माण में आत्मनिर्भरता पर जोर दिया।

करोल बाग ट्रैफिक पुलिस की बड़ी सफलता, चेकिंग के दौरान चोरी की बाइक और डी-वैन बरामद

स्वतंत्र सिंह भुल्लर नई दिल्ली

नईदिल्ली: करोल बाग ट्रैफिक सर्किल की टीम ने नियमित ट्रैफिक चेकिंग और प्रवर्तन अभियान के दौरान अपनी सतर्कता और तत्परता का परिचय देते हुए चोरी की एक मोटरसाइकिल और एक डी-वैन बरामद की है। ट्रैफिक पुलिस की इस कार्रवाई ने यह साबित कर दिया कि सड़क पर यातायात व्यवस्था बनाए रखने के साथ-साथ ट्रैफिक स्टाफ अपराध नियंत्रण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।पहली घटना 30 मार्च 2026 को दोपहर करीब 1:20 बजे की है। शादीपुर चौक पर ट्रैफिक व्यवस्था संभाल रहे सुरेंद्र और निकुंज वाहनों की जांच कर रहे थे। इसी दौरान उन्हें एक मोटरसाइकिल संदिग्ध लगी, जिसका पंजीकरण नंबर यूपी 9एस सीवी 6408 था। पुलिस को देखकर मोटरसाइकिल सवार ने जांच से बचने की कोशिश की, जिससे ट्रैफिक कर्मियों को संदेह हुआ।ट्रैफिक स्टाफ ने तुरंत कार्रवाई करते हुए मोटरसाइकिल को रोक लिया और उस पर सवार दो युवकों को पकड़ लिया। पकड़े गए युवकों की पहचान 20 वर्षीय दीपकऔर 20 वर्षीय गौरव कुमार के रूप में हुई। जांच में पता चला कि यह हीरो स्प्लेंडर मोटरसाइकिल चोरी की थी और इसे ग्रेटर नोएडा के थाना क्षेत्र से 18 नवंबर 2022 को चोरी किया गया था। इस संबंध में मामला पहले से दर्ज था। बरामद मोटरसाइकिल और दोनों आरोपियों को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए रंजीत नगर थाना को सौंप दिया गया।इसी दिन करोल बाग ट्रैफिक सर्किल की टीम ने एक और सफलता हासिल की। कमल टी-प्वाइंट के पास फुटपाथ पर गलत तरीके से खड़े वाहनों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा था। इस दौरान देवी दास की नजर एक लावारिस डी-वैन पर पड़ी, जिसका पंजीकरण नंबर डीएल1एलयू5476 था। वाहन की जांच करने पर पता चला कि यह भी चोरी की थी।जांच में सामने आया कि डी-वैन डीबीजी रोड पुलिस स्टेशन क्षेत्र से चोरी हुई थी और इस संबंध में ई-एफआईआर दर्ज थी। बरामद वाहन को संबंधित जांच अधिकारी के हवाले कर दिया गया, ताकि आगे की कानूनी कार्रवाई पूरी की जा सके।

यह पूरी कार्रवाई राम सिंह और संजय सिंह की निगरानी में की गई। अधिकारियों ने ट्रैफिक स्टाफ की सतर्कता, समर्पण और पेशेवर कार्यशैली की सराहना की।

दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने कहा है कि वह भविष्य में भी इसी प्रकार सघन जांच अभियान चलाकर न केवल यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखेगी, बल्कि अपराध की रोकथाम और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में भी अपनी सक्रिय भूमिका निभाती रहेगी।

(शोषण या स्वेच्छा) : महिलाओं की सुरक्षा का असली रास्ता क्या है?

पढ़ी-लिखी और स्वतंत्र होने के बावजूद कई महिलाएं शोषण का शिकार हो रही हैं। इस विचारधारा के अनुसार इसका एक कारण उनकी भावनात्मक प्रवृत्ति मानी जाती है, जिसका कुछ लोग गलत फायदा उठा लेते हैं। इसमें यह तर्क दिया जाता है कि महिलाओं का स्वभाव अधिक विश्वास करने वाला और संवेदनशील होता है, जिससे वे कभी-कभी गलत लोगों के प्रभाव में आ जाती हैं। इसी संदर्भ में पारंपरिक सामाजिक व्यवस्था को अधिक सुरक्षित बताया जाता है, जहां महिला बचपन में पिता, युवावस्था में भाई और विवाह के बाद पति की देखरेख में रहती है। इस व्यवस्था को सुरक्षा और मार्गदर्शन से जोड़ा जाता है। वहीं आधुनिक स्वतंत्रता को कुछ लोग जोखिमपूर्ण मानते हैं, यह कहते हुए कि इससे महिलाओं को अकेले फैसले लेने पड़ते हैं, जिससे वे शोषण के प्रति अधिक संवेदनशील हो सकती हैं।

-डॉ. प्रियंका सौरभ

भारतीय समाज में महिलाओं की स्थिति को लेकर बहस कोई नई बात नहीं है। समय-समय पर यह प्रश्न उठता रहा है कि क्या महिलाओं को दी गई आधुनिक स्वतंत्रता वास्तव में उनके लिए लाभकारी है, या फिर यह उन्हें शोषण के अधिक जोखिम में डाल रही है। हाल ही में घटित घटनाओं और उन पर समाज की प्रतिक्रियाओं को देखते हुए यह बहस फिर से तेज हो गई है। कुछ लोग मानते हैं कि महिलाओं की बढ़ती स्वतंत्रता ही उनके शोषण का कारण बन रही है, जबकि अन्य इसे एक संकीर्ण और गलत दृष्टिकोण मानते हैं। ऐसे में यह आवश्यक हो जाता है कि इस विषय को भावनाओं के बजाय तर्क, तथ्यों और संतुलित दृष्टि से समझा जाए।

सबसे पहले यह समझना जरूरी है कि शोषण का मूल कारण क्या है। क्या वास्तव में किसी महिला का पढ़ा-लिखा होना, आत्मनिर्भर होना या स्वतंत्र रूप से जीवन जीना उसके शोषण का कारण बन सकता है? इसका सीधा और स्पष्ट उत्तर है—नहीं। शोषण का कारण हमेशा उस व्यक्ति की मानसिकता होती है जो अपराध करता है। जब कोई व्यक्ति किसी महिला के साथ गलत व्यवहार करता है, तो उसकी जिम्मेदारी केवल और केवल उसी व्यक्ति की होती है। इसे महिला की स्वतंत्रता या उसके व्यवहार से जोड़ना न केवल गलत है, बल्कि यह पीड़िता को ही दोषी ठहराने जैसा है।

समाज में एक धारणा यह भी है कि यदि महिलाएं पिता, भाई या पति की निगरानी में रहें, तो वे अधिक सुरक्षित रहती हैं। यह विचार पारंपरिक सोच से उत्पन्न हुआ है, जहां सुरक्षा और नियंत्रण को एक ही माना गया। लेकिन वास्तविकता इससे कहीं अधिक जटिल है। अनेक ऐसे मामले सामने आए हैं, जहां महिलाओं के साथ शोषण उनके परिचितों या परिवार के भीतर ही हुआ है। इसका अर्थ यह है कि केवल निगरानी या नियंत्रण सुरक्षा की गारंटी नहीं दे सकता। सुरक्षा का संबंध व्यक्ति की स्वतंत्रता को सीमित करने से नहीं, बल्कि समाज में न्याय, कानून और जागरूकता की मजबूती से है।

यह भी कहा जाता है कि महिलाएं स्वभाव से भावुक होती हैं और इसी कारण वे आसानी से किसी के प्रभाव में आ जाती हैं। हालांकि यह आंशिक रूप से सही हो सकता है कि महिलाएं भावनात्मक रूप से अधिक अभिव्यक्त होती हैं, लेकिन इसे उनकी कमजोरी मान लेना एक बड़ी भूल है। भावनाएं मानव स्वभाव का हिस्सा हैं, चाहे वह पुरुष हो या महिला। असल समस्या तब उत्पन्न होती है जब कोई व्यक्ति इन भावनाओं का गलत फायदा उठाता है। इसलिए समाधान यह नहीं है कि महिलाओं की भावनाओं को दबा दिया जाए या उनकी स्वतंत्रता सीमित कर दी जाए, बल्कि यह है कि समाज में ऐसे लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए जो दूसरों का शोषण करते हैं।

आधुनिक समाज में महिलाओं को शिक्षा, रोजगार और अपने निर्णय लेने का अधिकार मिला है। यह एक सकारात्मक परिवर्तन है, जिसने उन्हें आत्मनिर्भर और सशक्त बनाया है। लेकिन इसके साथ ही कुछ चुनौतियां भी आई हैं। स्वतंत्रता का सही उपयोग करना हर व्यक्ति की जिम्मेदारी है। यह केवल महिलाओं पर ही नहीं, बल्कि पुरुषों पर भी लागू होता है। यदि कोई व्यक्ति गलत निर्णय लेता है, तो उसका परिणाम उसे भुगतना पड़ सकता है, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं है कि स्वतंत्रता ही गलत है। स्वतंत्रता का दुरुपयोग और स्वतंत्रता स्वयं—दोनों में अंतर समझना आवश्यक है।

अक्सर यह तर्क दिया जाता है कि पहले के समय में महिलाएं अधिक सुरक्षित थीं क्योंकि वे घर की चारदीवारी में रहती थीं। लेकिन यह धारणा भी पूरी तरह सही नहीं है। उस समय भी महिलाओं के साथ अन्याय और शोषण होता था, लेकिन वे आवाज नहीं उठा पाती थीं। आज के समय में कम से कम महिलाएं अपने अधिकारों के लिए खड़ी हो सकती हैं, अपनी बात कह सकती हैं और न्याय की मांग कर सकती हैं। यह बदलाव समाज के लिए एक सकारात्मक संकेत है।

रेप और अन्य अपराधों के बढ़ते आंकड़े निश्चित रूप से चिंता का विषय हैं। लेकिन इनका कारण महिलाओं की स्वतंत्रता नहीं, बल्कि अपराधियों की मानसिकता, कानून का कमजोर क्रियान्वयन और समाज में व्याप्त गलत सोच है। यदि किसी समस्या का समाधान खोजना है, तो उसके वास्तविक कारणों को समझना होगा। महिलाओं की स्वतंत्रता को सीमित करना समस्या का समाधान नहीं है, बल्कि यह एक तरह से समस्या से भागने जैसा है।

इसके विपरीत, हमें ऐसे समाज की कल्पना करनी चाहिए जहां महिलाएं सुरक्षित भी हों और स्वतंत्र भी। इसके लिए कुछ महत्वपूर्ण कदम उठाने की आवश्यकता है। सबसे पहले, शिक्षा प्रणाली में लैंगिक समानता और सम्मान के मूल्यों को शामिल किया जाना चाहिए। बच्चों को बचपन से ही यह सिखाया जाना चाहिए कि हर व्यक्ति का सम्मान करना जरूरी है। दूसरा, कानून व्यवस्था को मजबूत करना होगा ताकि अपराधियों को जल्द और सख्त सजा मिल सके। तीसरा, महिलाओं को आत्मरक्षा और आत्मविश्वास के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए, ताकि वे किसी भी स्थिति का सामना कर सकें।

इसके अलावा, मीडिया और समाज को भी अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। महिलाओं को केवल एक वस्तु के रूप में प्रस्तुत करना या उनके चरित्र पर सवाल उठाना बंद करना होगा। समाज को यह समझना होगा कि महिला की गरिमा उसके कपड़ों, उसके व्यवहार या उसके निर्णयों से नहीं, बल्कि उसके अस्तित्व से जुड़ी होती है।

अंततः, यह कहना गलत नहीं होगा कि महिलाओं की स्वतंत्रता और उनकी सुरक्षा—दोनों ही समान रूप से महत्वपूर्ण हैं। किसी एक को दूसरे के खिलाफ खड़ा करना एक गलत दृष्टिकोण है। हमें एक ऐसा संतुलन बनाना होगा, जहां महिलाएं अपने अधिकारों का पूरी तरह से उपयोग कर सकें और साथ ही उन्हें किसी भी प्रकार के शोषण का डर न हो।

समाज का वास्तविक विकास तभी संभव है, जब उसमें हर व्यक्ति—चाहे वह पुरुष हो या महिला—सम्मान, सुरक्षा और स्वतंत्रता के साथ जीवन जी सके। महिलाओं को "निगरानी" में रखने के बजाय उन्हें "सशक्त" बनाना ही सही दिशा है। यही एक ऐसा रास्ता है, जो न केवल महिलाओं के लिए, बल्कि पूरे समाज के लिए एक बेहतर और सुरक्षित भविष्य का निर्माण कर सकता है।

(डॉ. प्रियंका सौरभ, पीएचडी (राजनीति विज्ञान), कवयित्री एवं सामाजिक चिंतक हैं।)

निजीकरण का बोलबाला: सरकारी स्कूलों पर गहराता संकट

(एक दशक में 94 हजार सरकारी स्कूल बंद, प्राइवेट 51 हजार खुले, स्कूल जाने योग्य हर पांचवां बच्चा स्कूल से बाहर)

-- डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत की शिक्षा व्यवस्था आज एक गंभीर संकट के दौर से गुजर रही है। पिछले एक दशक में लगभग 94 हजार सरकारी स्कूल बंद हो चुके हैं, जबकि इसी अवधि में 51 हजार से अधिक निजी स्कूल खुल गए हैं। यह स्थिति न केवल सरकारी शिक्षा प्रणाली की कमजोरियों को उजागर करती है, बल्कि बढ़ते निजीकरण के कारण उत्पन्न सामाजिक असमानता को भी सामने लाती है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21A के तहत प्रत्येक बच्चे को मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार दिया गया है, लेकिन वर्तमान परिस्थितियों में यह अधिकार धीरे-धीरे कमजोर पड़ता दिखाई दे रहा है। 2014-15 से 2023-24 के बीच सरकारी स्कूलों की संख्या 11,07,101 से घटकर 10,17,660 रह गई, यानी लगभग 89,441 स्कूल कम हो गए, जबकि निजी स्कूलों की संख्या 2,88,164 से बढ़कर 3,31,108 हो गई। यह प्रवृत्ति विशेष रूप से ग्रामीण भारत के लिए चिंताजनक है, जहां गरीब और वंचित वर्गों के बच्चों के लिए शिक्षा तक पहुंच लगातार कठिन होती जा रही है।

सरकारी स्कूलों के संकट का एक प्रमुख कारण "स्कूल मर्जर नीति" है, जिसके तहत कम नामांकन वाले छोटे स्कूलों को बड़े स्कूलों में मिला दिया जाता है। इससे ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में बच्चों के लिए स्कूल तक पहुंच कठिन हो गई है। मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में हजारों स्कूल बंद हुए हैं, जो कुल बंदी का बड़ा हिस्सा हैं। इसके अलावा, शिक्षकों की कमी, कमजोर आधारभूत संरचना और मिड-डे मील जैसी योजनाओं का सही ढंग से क्रियान्वयन न होना भी नामांकन में गिरावट के प्रमुख कारण हैं। National Education Policy 2020 के कुछ प्रावधान, जैसे एकल शिक्षक स्कूलों को हतोत्साहित करना, भी इस प्रक्रिया को प्रभावित करते हैं, जिसके परिणामस्वरूप सरकारी स्कूलों में नामांकन में भारी कमी आई है, जबकि निजी स्कूलों में छात्रों की संख्या तेजी से बढ़ी है। गरीब परिवारों के बच्चे अब मजबूरन निजी स्कूलों की ओर रुख कर रहे हैं, लेकिन ऊंची फीस उनके लिए एक बड़ी बाधा बन जाती है।

निजी स्कूलों की संख्या में तेजी से वृद्धि हो रही है और शहरी क्षेत्रों में बड़ी संख्या में बच्चे निजी स्कूलों में पढ़ रहे हैं। हालांकि यह वृद्धि कई चिंताएं भी पैदा करती है। निजी स्कूलों में फीस में भारी वृद्धि देखी जा रही है, जिससे निम्न और मध्यम आय वर्ग के परिवारों के लिए शिक्षा प्राप्त करना कठिन होता जा रहा है। शिक्षा का यह बढ़ता निजीकरण उसे एक सामाजिक सेवा से अधिक एक व्यापार में बदलता जा रहा है। शिक्षा का अधिकार कानून के तहत 25 प्रतिशत सीटें गरीब बच्चों के लिए आरक्षित हैं, लेकिन इसका प्रभावी क्रियान्वयन नहीं हो पा रहा है, जिससे सामाजिक असमानता और गहरी हो रही है। एक ओर संपन्न वर्ग बेहतर संसाधनों और सुविधाओं वाले निजी स्कूलों में शिक्षा प्राप्त करता है, वहीं दूसरी ओर गरीब वर्ग सीमित संसाधनों वाले सरकारी स्कूलों तक ही सीमित रह जाता है।

इस असंतुलन का सीधा प्रभाव ड्रॉपआउट दर पर भी पड़ रहा है। पिछले कुछ वर्षों में लाखों बच्चों ने स्कूल छोड़ दिया है, जिनमें बड़ी संख्या किशोरियों की है। इसके पीछे गरीबी, बाल श्रम, परिवार का प्रवास, स्कूलों की दूरी और सुरक्षा की

कमी जैसे कई कारण जिम्मेदार हैं। विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में लड़कियों के लिए शिक्षा प्राप्त करना अधिक कठिन हो जाता है। जब परिवार निजी स्कूलों की फीस वहन नहीं कर पाते और आसपास सरकारी स्कूल उपलब्ध नहीं होते, तो बच्चों का शिक्षा से बाहर होना लगभग तय हो जाता है। यह स्थिति आने वाले समय में बेरोजगारी और सामाजिक असमानता को और अधिक बढ़ा सकती है।

शिक्षा का निजीकरण केवल एक शैक्षिक समस्या नहीं है, बल्कि यह सामाजिक और आर्थिक असमानता को भी गहराता है। जब सभी वर्गों को समान शिक्षा के अवसर नहीं मिलते, तो समाज में अवसरों का असंतुलन बढ़ता जाता है। भारत में शिक्षा पर सकल घरेलू उत्पाद का केवल लगभग 3 प्रतिशत ही खर्च किया जाता है, जबकि इसे 6 प्रतिशत तक बढ़ाने का लक्ष्य अभी भी अधूरा है। इसका प्रभाव महिलाओं के सशक्तिकरण, रोजगार के अवसरों और देश के समग्र आर्थिक विकास पर पड़ता है। यदि यह स्थिति बनी रही, तो यह लोकतंत्र के लिए भी खतरा बन सकती है, क्योंकि एक शिक्षित समाज ही जागरूक और जिम्मेदार नागरिक तैयार करता है।

इस संकट से निपटने के लिए सरकार को ठोस और प्रभावी कदम उठाने होंगे। स्कूल मर्जर नीति पर पुनर्विचार किया जाना चाहिए और ग्रामीण क्षेत्रों में छोटे स्कूलों को संरक्षित किया जाना चाहिए। रिक्त शिक्षक पदों को शीघ्र भरा जाए और शिक्षकों के प्रशिक्षण पर विशेष ध्यान दिया जाए। सभी स्कूलों में बुनियादी सुविधाएं जैसे शौचालय, स्वच्छ पेयजल और डिजिटल संसाधन सुनिश्चित किए जाएं। मिड-डे मील योजना की गुणवत्ता में सुधार किया जाए और निजी स्कूलों की फीस पर नियंत्रण तथा निगरानी बढ़ाई जाए। शिक्षा का अधिकार कानून के प्रावधानों को सख्ती से लागू किया जाए और शिक्षा पर सार्वजनिक निवेश बढ़ाकर इसे सकल घरेलू उत्पाद के 6 प्रतिशत तक पहुंचाया जाए।

निष्कर्षतः, निजीकरण का बढ़ता प्रभाव सरकारी स्कूलों के लिए एक गंभीर चुनौती बन चुका है। सरकारी स्कूलों की घटती संख्या और निजी स्कूलों की बढ़ती संख्या यह संकेत देती है कि शिक्षा धीरे-धीरे एक मौलिक अधिकार से हटकर एक व्यापार का रूप लेती जा रही है। इसका सबसे अधिक प्रभाव गरीब और वंचित वर्गों पर पड़ रहा है। यदि समय रहते उचित कदम नहीं उठाए गए, तो यह असमानता समाज को गहराई तक प्रभावित करेगी। शिक्षा को बाजार की वस्तु नहीं, बल्कि सामाजिक विकास का आधार मानते हुए इसे मजबूत करना अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि आने वाली पीढ़ियों का भविष्य इसी पर निर्भर करता है।

(डॉ. सत्यवान सौरभ, पीएचडी (राजनीति विज्ञान), एक कवि और सामाजिक विचारक है।)

अनलर्न करना सीखें: वह कौशल जो भविष्य को आकार देता है

● विजय गर्ग

पहले से कहीं अधिक तेजी से बदलती दुनिया में ज्ञान अब स्थायी नहीं है। आज हम जो सीखते हैं, वह कल पुराना हो सकता है। ऐसे गतिशील वातावरण में, एक व्यक्ति जो सबसे शक्तिशाली कौशल विकसित कर सकता है, वह न केवल सीखना है, बल्कि अशिक्षण भी है। पुराने विचारों, विश्वासों और आदतों को छोड़ने की क्षमता विकास, नवाचार और सफलता के लिए आवश्यक है।

अनलर्न का क्या मतलब है?

अशिक्षण, नई समझ के लिए स्थान बनाने हेतु पुराने या गलत ज्ञान को सचेत रूप से त्यागने की प्रक्रिया है। यह सब कुछ भूलने के बारे में नहीं है, बल्कि इस बात पर सवाल उठाने के बारे में है कि हम क्या जानते हैं। इसके लिए विनम्रता, जिज्ञासा और बदलाव की इच्छा की आवश्यकता है।

उदाहरण के लिए, एक समय था जब लोग मानते थे कि सूचना को याद रखना शिक्षा की कुंजी है। आज, डिजिटल प्रौद्योगिकी के युग में, ध्यान आलोचनात्मक सोच, रचनात्मकता और समस्या समाधान पर केंद्रित हो गया है। अनुकूलन के लिए, छात्रों और शिक्षकों को पुराने तरीकों को नहीं सीखना चाहिए तथा नए दृष्टिकोण अपनाना होगा।

अनलर्निंग क्यों महत्वपूर्ण है?

1। परिवर्तन के अनुकूल होना तकनीकी प्रगति, विशेष रूप से कृत्रिम बुद्धिमत्ता में, उद्योगों और शिक्षा को बदल रही है। जो कौशल कल मूल्यवान थे, वे आज प्रासंगिक नहीं हो सकते। अनलर्निंग हमें लचीला रहने और नई संभावनाओं के लिए खुला रहने में मदद करती है।

2। मानसिक बाधाओं को तोड़ना हमारी कई सीमाएं निश्चित मानसिकता से आती हैं। विश्वास जैसे कि ₹मैं यह नहीं कर सकता₹ या ₹यह हमेशा ऐसा ही किया गया है। ऐसे विचारों को अनपढ़ करने से हमें नए रास्ते तलाशने और छिपी हुई क्षमताओं का पता लगाने में मदद मिलती है।

3। नवाचार को प्रोत्साहित करना नवाचार के लिए अक्सर अलग तरह से सोचने की आवश्यकता होती है। जब हम काम करने के पारंपरिक तरीकों को छोड़ देते हैं, तो हम नए विचारों और रचनात्मक समाधानों के लिए जगह बनाते हैं।

4। निर्णय लेने में सुधार पुरानी जानकारी को बनाए रखने से गलत निर्णय ले सकते हैं। अनलर्निंग हमें स्पष्ट और अद्यतन परिप्रेक्ष्य के साथ स्थितियों का पुनर्मूल्यांकन करने में मदद करती है।

अशिक्षण की चुनौतियाँ

अशिक्षण आसान नहीं है। यह असहज और यहां तक कि खतरनाक भी लग सकता है, क्योंकि यह हमारे विश्वासों और पहचान को चुनौती देता है। लोग अक्सर अज्ञात के डर या पिछली सफलता से लगाव के कारण परिवर्तन का विरोध करते हैं। हालाँकि, विकास आराम क्षेत्र से बाहर है।

अनलर्निंग का अभ्यास कैसे करें

प्रश्न धारणाः नियमित रूप से अपने आप से पूछें, ₹क्या यह अभी भी सच है?

जिज्ञासु बने रहें: नए विचारों, दृष्टिकोणों और अनुभवों के लिए खुले रहें।

गलतियाँ स्वीकार करें: यह समझें कि गलत होना सीखने का एक हिस्सा है।

आजीवन शिक्षा को अपनाएं: अपने ज्ञान और कौशल को अद्यतन करते रहें।

लचीला बनें: जैसे-जैसे परिस्थितियां विकसित होती हैं, अपनी सोच को अनुकूलित करें।

शिक्षा में अशिक्षण

स्कूलों में अशिक्षण विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। पारंपरिक शिक्षा प्रणालियां अक्सर रट-अटक सीखने पर ध्यान केंद्रित करती हैं, लेकिन भविष्य में आलोचनात्मक सोच और अनुकूलनशीलता की आवश्यकता होती है। शिक्षकों को कठोर शिक्षण विधियों को त्यागना होगा तथा इंटरैक्टिव, छात्र-केंद्रित दृष्टिकोण अपनाना होगा। विद्यार्थियों को भी याद रखने से आगे बढ़कर समझने और लागू करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

निष्कर्ष

—अशिक्षण करना सीखना सिर्फ एक वाक्यांश नहीं है, यह आधुनिक युग के लिए एक मानसिकता है। तेजी से बदलती दुनिया में, जो लोग सीख नहीं पाते और पुनः सीखते हैं, वे फल-फूलेंगे। यह व्यक्तिगत विकास, व्यावसायिक सफलता और सार्थक प्रगति की कुंजी है। जो अब हमारी सेवा नहीं करता, उसे छोड़कर हम नए ज्ञान, नए अवसरों और बेहतर भविष्य का द्वार खोलते हैं।

सेवानिवृत्त प्रधान शैक्षिक स्तंभकार प्रख्यात शिक्षाशास्त्री स्ट्रीट कौर चंद एमएचआर मलौट पंजाब

अदृश्य सामग्री निर्माताओं का उदय

डॉ विजय गर्ग

आज की डिजिटल दुनिया में, सामग्री हर जगह है—सोशल मीडिया फीड, वेबसाइट्स, वीडियो, पॉडकास्ट और यहां तक कि कैप्शन में भी हम लापरवाही से स्क्रॉल करते हैं। जबकि लाखों प्रभावशाली लोग प्रसिद्धि और मान्यता प्राप्त हैं, वहीं एक विशाल, अक्सर अनदेखा किया जाने वाला समूह पर्दे के पीछे चुपचाप काम कर रहा है: अदृश्य सामग्री निर्माता। ये वे लेखक, संपादक, पटकथाकार, डिजाइनर और रणनीतिकार हैं जिनका काम डिजिटल अनुभव को आकार देता है, फिर भी जिनके नाम शायद ही कभी सुर्खियों में आते हैं।

अदृश्य सामग्री निर्माता आधुनिक सामग्री पारिस्थितिकी तंत्र की रीढ़ हैं। आकर्षक ब्लॉग पोस्ट और वायरल सोशल मीडिया कैप्शन तैयार करने से लेकर लोकप्रिय वीडियो और विज्ञापनों के लिए स्क्रिप्ट लिखने तक, उनका योगदान हर जगह है। कई प्रभावशाली व्यक्ति, ब्रांड और सार्वजनिक हस्तियां अपनी ऑनलाइन उपस्थिति बनाए रखने के लिए इन पेशेवरों पर बहुत अधिक निर्भर करती हैं। हालाँकि, ऐसी सामग्री का श्रेय आमतौर पर ब्रांड के चेहरे को जाता है, न कि उसके पीछे के दिमाग को।

इन अदृश्य रचनाकारों का उदय डिजिटल अर्थव्यवस्था की तीव्र वृद्धि से निकटता से जुड़ा हुआ है। जैसे-जैसे व्यवसाय भीड़भाड़ वाले ऑनलाइन क्षेत्र में ध्यान आकर्षित करने के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं, उच्च गुणवत्ता वाली, सुसंगत सामग्री की मांग आसमान छू रही है। इसके कारण स्वतंत्र लेखक, भूत-प्रेत लिखने वाले और डिजिटल रणनीतिकारों का उदय हुआ है, जो चुपचाप काम करते हैं, अक्सर गुमनाम रहते हुए कई ग्राहकों के साथ मिलकर काम करते हैं।

उनकी अदृश्यता का एक प्रमुख कारण उनके काम की प्रकृति है। उदाहरण के लिए, घोस्टराइटिंग इस विचार पर आधारित है कि निर्माता छिपा रहता है, जबकि कोई अन्य व्यक्ति सामग्री का स्वामित्व लेता है। इसी प्रकार, कई कंपनियां व्यक्तिगत योगदानकर्ताओं को उजागर करने के बजाय एक एकीकृत ब्रांड आवाज को प्राथमिकता देती हैं। परिणामस्वरूप, प्रतिभाशाली निर्माता स्वेच्छा से स्थिर आय और व्यावसायिक अवसरों के लिए मान्यता का व्यापार करते हैं।

अपनी दृश्यता की कमी के बावजूद, इन रचनाकारों का बहुत बड़ा प्रभाव है। वे जनमत को आकार देते हैं, व्यक्तिगत ब्रांड बनाते हैं, और यहां तक कि सामाजिक प्रवृत्तियों को भी प्रेरित करते हैं। एक सशक्त ट्वीट, एक आकर्षक वीडियो स्क्रिप्ट, या एक अच्छी तरह से लिखा गया लेख लाखों लोगों तक पहुंच सकता है और अपने असली निर्माता की पहचान उजागर किए बिना ही स्थायी प्रभाव छोड़ सकता है।

हालाँकि, यह अदृश्यता अपनी चुनौतियों के साथ आती है। मान्यता की कमी से कैरियर विकास, व्यक्तिगत ब्रांडिंग और रचनात्मक संतुष्टि सीमित हो सकती है। कई अदृश्य निर्माता कम वेतन, नौकरी असुरक्षा और रचनात्मक थकान जैसे मुद्दों से जूझते हैं। सार्वजनिक स्वीकृति के बिना, पोर्टफोलियो बनाना या विश्वसनीयता हासिल करना अधिक कठिन हो जाता है।

साथ ही, पर्दे के पीछे रहने के भी फायदे हैं। अदृश्य रचनाकार अक्सर सार्वजनिक जांच के दबाव के बिना रचनात्मक स्वतंत्रता का आनंद लेते हैं। वे एक ही पहचान से बंधे बिना विभिन्न क्षेत्रों में प्रयोग कर सकते हैं, अनुकूलन कर सकते हैं और काम कर सकते हैं। कुछ लोगों के लिए, गुमनामी कोई सीमा नहीं बल्कि एक सचेत विकल्प है।

जैसे-जैसे डिजिटल परिदृश्य विकसित हो रहा है, अदृश्य सामग्री निर्माताओं की भूमिका धीरे-धीरे ध्यान आकर्षित कर रही है। उचित क्रेडिट, बेहतर वेतन और नैतिक सामग्री प्रथाओं के बारे में चर्चाएं अधिक आम होती जा रही हैं। प्लेटफार्मों और संगठनों ने उन लोगों को उचित सम्मान देने के महत्व को समझना शुरू कर दिया है जो पर्दे के पीछे योगदान करते हैं।

अंततः, अदृश्य सामग्री निर्माताओं का उदय इस बात को दर्शाता है कि विषय-वस्तु का उत्पादन और उपभोग किस प्रकार किया जाता है। यह लेखकत्व के पारंपरिक विचार को चुनौती देता है और डिजिटल युग की सहयोगात्मक प्रकृति पर प्रकाश डालता है। यद्यपि वे अदृश्य रह सकते हैं, लेकिन उनका प्रभाव निस्संदेह है। वे चुपचाप उन आवाजों, कहानियों और कथनों को आकार दे रहे हैं जो हमारी ऑनलाइन दुनिया को परिभाषित करती हैं।

वर्षों से सोशल मीडिया का स्वर्णिम नियम यह रहा है कि दृश्यता मुद्रा के समान है। दर्शकों का निर्माण करने के लिए, आपको अपने ब्रांड का चेहरा बनना होगा, प्रतिदिन कैमरे पर दिखना होगा, सही थंबनेल अभिव्यक्ति की कला में निपुण होना होगा, तथा लाखों अजनबियों को अपने निजी जीवन में शामिल करना होगा। लेकिन एक बड़ा बदलाव हो रहा है। एक नया आदर्श डिजिटल फीड पर हावी हो रहा है, वह भी बिना किसी चर्चा के: अदृश्य सामग्री निर्माता। लाखों व्यूज प्राप्त करने वाले गुमनाम यूट्यूब चैनलों से लेकर पूर्ण रूप से संश्लेषित एआई प्रभावशाली लोगों द्वारा बड़े पैमाने पर ब्रांड सौदे किए जाने तक, इंटरनेट व्यक्तित्व-संचालित अर्थव्यवस्था से शुद्ध पदार्थ और प्रणाली अर्थव्यवस्था की ओर अग्रसर है।

अदृश्य सामग्री निर्माता क्या है? एक अदृश्य (या चेहराहीन) सामग्री निर्माता वह व्यक्ति होता है जो ब्रांड को उसकी भौतिक पहचान या उपस्थिति से जोड़े बिना डिजिटल दर्शकों का निर्माण, प्रकाशन और मुद्रीकरण करता है। वे आम तौर पर तीन श्रेणियों में आते हैं: क्यूरेटर और शिक्षाविद: ऐसे निर्माता जो इतिहास, व्यक्तिगत वित्त या दर्शन जैसे जटिल विषयों को समझाने के लिए गतिशील बी-रोल, मोशन ग्राफिक्स और वॉयसओवर (मानव या एआई) का उपयोग करते हैं। साइलेंट एस्थेटिक क्रिएटर्स: टिकटोक और इंस्टाग्राम पर लोकप्रिय, ये निर्माता न्यूनतम, उच्च-गुणवत्ता वाले दृश्यों में झुकते हैं। आरामदायक डेस्क सेटअप, खाना पकाने

दृश्यों और अति-वास्तविक क्लोन की गई आवाजों के लिए, उत्पादन समय में 90% तक की कटौती की गई है। जिसे कभी स्टूडियो, महंगे कैमरे और एक सप्ताह के संपादन की आवश्यकता होती थी, उसे अब दोपहर में तैयार किया जा सकता है। साइलेंट एस्थेटिक क्रिएटर्स: टिकटोक और इंस्टाग्राम पर लोकप्रिय, ये निर्माता न्यूनतम, उच्च गुणवत्ता वाले विज़ुअल —कोज़ी डेस्क सेटअप, खाना पकाने या जर्नलिंग में झुकाव रखते हैं। पाठ ओवरले और परिवेशी संगीत के साथ, भाषण और चेहरों को समीकरण से पूरी तरह से हटा देते हैं। एआई-सिंथेसाइज्ड क्रिएटर्स: डिजिटल अवतार और काल्पनिक पहचानें (जैसे भारत के पहले एआई प्रभावशाली व्यक्ति, काइरा और नैना अव्टर) जो मानव प्रभावकों की तरह ही उपयोगकर्ताओं को पोस्ट करती हैं, बढ़ावा देती हैं और उनसे जुड़ती हैं। 2। ₹गोइंग डार्कर₹ नया पावर मूव क्यों है बेमुख सामग्री में वृद्धि कोई यादृच्छिक प्रवृत्ति नहीं है; यह आधुनिक निर्माता अर्थव्यवस्था की वास्तविकताओं के प्रति एक गणनाबद्ध प्रतिक्रिया है। ₹संस्कृति रद्द करें₹ के युग में गोपनीयता अति-दृश्यता मानसिक स्वास्थ्य के लिए भारी कीमत चुकाती है। इंटरनेट के ऐसे परिदृश्य में, जहां लगातार डेटा स्क्रैपिंग और तीव्र सार्वजनिक जांच का बोलबाला है, गुमनाम रहना एक सुरक्षित फ़ायरवॉल प्रदान करता है। अदृश्य निर्माता अपने व्यक्तिगत जीवन को अपने काम से अलग करते हैं, जिससे उनकी मानसिक शांति सुरक्षित रहती है और वे ऑनलाइन उत्पीड़न से बचते रहते हैं। सेलिब्रिटी पर स्केलेबिलिटी पारंपरिक निर्माता अपने व्यवसाय में सबसे बड़ी बाधा हैं। वे ऊर्जा या समय समाप्त होने से पहले केवल कुछ ही वीडियो शूट कर सकते हैं। दूसरी ओर, अदृश्य निर्माता प्रणालियां बनाते हैं। क्योंकि उन्हें कैमरे के सामने होने की आवश्यकता नहीं है, इसलिए वे पटकथा लेखकों को नियुक्त कर सकते हैं, एआई वीडियो जनरेटर का उपयोग कर सकते हैं और आवाज अभिनेताओं को नियुक्त कर सकें। वे एक चैनल को दस लोगों के नेटवर्क में बदल सकते हैं, तथा तनावग्रस्त एकल उद्यमी की बजाय मीडिया कंपनी की तरह काम कर सकते हैं। सार्वभौमिक सापेक्षता जब किसी वीडियो में कोई विशिष्ट व्यक्ति दिखाई देता है, तो दर्शक अवचेतन रूप से उसकी आयु, जाति, लिंग या उच्चारण के आधार पर उसका मूल्यांकन करते हैं। जब कोई चैनल चेहराहीन होता है तो निर्माता दर्पण बन जाता है। यह विषय-वस्तु दर्शक के लिए अत्यंत व्यक्तिगत लगती है, क्योंकि संदेश में कोई व्यक्तित्व बाधा नहीं डालता। 3। एआई उत्प्रेरक: आर्ट स्टूडियो से लेकर असेंबली लाइन तक जबकि कुछ समय से चेहराहीन चैनल मौजूद हैं, कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने इस आंदोलन के लिए जेट ईंधन का काम किया है। स्क्रिप्टिंग के लिए चैटजीपीटी, दृश्यों के लिए उन्नत एआई वीडियो जनरेटर (जैसे गूगल वीओ और रनवे), तथा अति-वास्तविक क्लोन की गई आवाजें, उत्पादन समय में 90% तक की कटौती कर दी गई है। जिसे कभी स्टूडियो, महंगे कैमरे और एक सप्ताह के संपादन की आवश्यकता होती थी, उसे अब दोपहर में तैयार किया जा सकता है। हालाँकि, इससे उद्योग में स्पष्ट विभाजन पैदा हो गया है कम प्रयास वाली बाढ़: एआई का उपयोग करके निर्माता आलसी, दोहरावपूर्ण, ₹जल्दी अमीर बनें₹ सामग्री को बाहर निकालते हैं, जिसे फिल्टर करने में एल्गोरिदम तेजी से बेहतर होते जा रहे हैं। उच्च-मूल्य इंजीनियर: निर्माता भारी उठाने को स्वचालित करने के लिए एआई का लाभ उठा रहे हैं, ताकि वे उच्च-स्तरीय कहानी कहने, गहन शोध और अविश्वसनीय दृश्य गति पर ध्यान केंद्रित कर सकें। 4। प्रामाणिकता का भविष्य अदृश्य सृष्टिकर्ता का उदय ऑनलाइन ₹प्रामाणिकता₹ की हमारी दीर्घकालिक परिभाषा को चुनौती देता है। पिछले दशक में, प्रामाणिकता का अर्थ था भेद्यता— कैमरे पर रोना, अपनी सुबह की दिनचर्या दिखाना और ₹वास्तविक₹ होना अब, एक नई तरह की प्रामाणिकता हावी हो रही है: मूल्य की प्रामाणिकता। दर्शक यह साबित कर रहे हैं कि उन्हें यह जानने की जरूरत नहीं है कि कोई निर्माता उन पर भरोसा करने के लिए कैसा दिखता है। उन्हें बस इतना चाहिए कि जानकारी सटीक हो, कहानी कहने का तरीका आकर्षक हो और विषय-वस्तु उनके सीमित, मूल्यवान समय के लायक हो। एक ऐसी दुनिया में जहां हर कोई ध्यान आकर्षित करने के लिए चिल्ला रहा है, जो निर्माता चुपचाप जीत रहे हैं वे ऐसे लोग हैं जो इसे नहीं मांगते हैं। वे बस इतनी अच्छी सामग्री डिजाइन करते हैं कि उन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

सेवानिवृत्त प्रधान शैक्षिक स्तंभकार प्रख्यात शिक्षाशास्त्री स्ट्रीट कौर चंद एमएचआर मलोट पंजाब

डॉ. आशुतोष शर्मा की सेवानिवृत्ति: अस्पताल उदास, लेकिन करुणा और सेवा गूंजती रही

[डॉ. आशुतोष शर्मा: चिकित्सा क्षेत्र में मानवता और आदर्श का प्रतीक]

इन दौर मप्र के लाल अस्पताल (अब हुकुमचंद पाली क्लीनिक) की दीवारें जैसे मौन हो गई हैं। गलियारों में एक अनकही उदासी तैर रही है, हर चेहरे पर भावनाओं की नमी है और हर कोने में गहरा खालीपन महसूस हो रहा है। ऐसा प्रतीत होता है मानो अस्पताल का कोई अपना, कोई आत्मीय, कोई ऐसा अभिन्न हिस्सा 31 मार्च को विदा ले गया हो, जिसकी उपस्थिति से यह परिसर वर्षों तक जीवंत रहा। डॉ. आशुतोष शर्मा सेवानिवृत्त हुए, जिनकी उजली रोशनी ने दशकों तक हजारों परिवारों के जीवन से पीड़ा, निराशा और अंधकार को दूर किया।

38 वर्षों की गौरवपूर्ण शासकीय सेवा के बाद 31 मार्च को डॉ. आशुतोष शर्मा — जिन्हें पूरा शहर स्नेह, श्रद्धा और सम्मान से 'गरीबों का डॉक्टर' कहता है — सेवानिवृत्त हो गए हैं। इन 38 वर्षों में से 24 वर्ष उन्होंने लाल अस्पताल के प्रभारी के रूप में बिताए। यह केवल एक प्रशासनिक दायित्व नहीं था, बल्कि जनसेवा का वह संकल्प था, जिसे उन्होंने पूरी निष्ठा, ईमानदारी, करुणा और संवेदनशीलता के साथ निभाया। उनके नेतृत्व में लाल अस्पताल केवल एक सरकारी अस्पताल भर नहीं रहा, बल्कि वह हजारों लोगों के भरोसे, विश्वास, उम्मीद और जीवन का सबसे मजबूत सहारा बन गया। यहाँ आने वाला हर व्यक्ति यह विश्वास लेकर लौटता था कि जब तक डॉ. शर्मा हैं, तब तक उसे केवल उपचार ही नहीं, अपनापन और संवेदना भी मिलेगी।

अस्पताल का पूरा वातावरण उनके अंतिम कार्य दिवस पर भावनाओं से भर उठा। विदाई समारोह में पुराने-नए मरीज, स्टाफ, सहकर्मी, कर्मचारी और वे लोग भी थे, जिनका उनसे केवल एक बार परिचय हुआ, पर जिन्होंने उनके व्यवहार में मानवता की ऊष्मा महसूस की थी। जैसे ही विदाई का क्षण आया, सभागार भावुक हो उठा। कई आँखें नम थीं, अनेक लोग आँसू नहीं रोक सके और कुछ फूट-फूटकर रो पड़े। हर मन में बस एक ही भाव था— आज अस्पताल से केवल एक डॉक्टर नहीं, बल्कि हजारों लोगों का विश्वास और सहारा विदा ले रहा है। ये आँसू किसी साधारण चिकित्सक की विदाई के नहीं थे। ये उस इंसान के लिए थे, जिसने चिकित्सा को कभी व्यापार नहीं बनने दिया। शांत, सरल और नेकदिल व्यक्ति ने हमेशा मरीज के दर्द को अपना दर्द माना।

डॉ. आशुतोष शर्मा हमेशा अपनी सरकारी तनख्वाह पर संतुष्ट रहे। उन्होंने कभी अतिरिक्त कमाई, दिखावा या निजी स्वार्थ को महत्व नहीं दिया। उनके लिए सबसे बड़ी पूंजी मरीजों का विश्वास और सबसे बड़ा धर्म सेवा था। गरीब और जरूरतमंद मरीजों के लिए वे हमेशा उपलब्ध रहते थे। उनकी एक नजर, एक सलाह या एक स्पर्श में ऐसी गर्मजोशी थी कि मरीज को लगता— सामने कोई डॉक्टर नहीं, बल्कि परिवार का सदस्य है, जो सचमुच उनकी पीड़ा समझ रहा है। उन्होंने कभी जाति, धर्म, वर्ग या आर्थिक स्थिति का भेदभाव नहीं किया। हर मरीज उनके लिए समान था— मजदूर हो, रिक्शा चालक, किसान, कर्मचारी या किसी बड़े परिवार का सदस्य। यही कारण है कि वे केवल चिकित्सक नहीं, बल्कि हजारों लोगों का भरोसा बन गए।

कोरोना महामारी के भयावह दिनों में, जब हर ओर डर, अनिश्चितता और असहायता का माहौल था, तब भी डॉ. शर्मा अपनी जिम्मेदारी से पीछे नहीं हटे। जब बहुत-से लोग भयभीत थे, तब वे अस्पताल में डटे रहे। उन्होंने न केवल मरीजों की सेवा की, बल्कि मीडिया के साथियों की भी हर संभव सहायता की। पत्रकार बंधुओं से उनका रिश्ता हमेशा विश्वास, सम्मान और सहयोग का रहा। संकट की उस घड़ी में उन्होंने बिना किसी हिचकिचाहट के अनेक लोगों का मार्गदर्शन किया, उनका उपचार कराया और उन्हें मानसिक संबल भी दिया। आज मीडिया जगत भी उनके इस योगदान को गहरी कृतज्ञता के साथ याद कर रहा है।

समय वहीं ठहर गया, जब अपने अंतिम कार्य दिवस पर डॉ. आशुतोष शर्मा ने ऐसी घोषणा की, जिसने पूरे सभागार को भावों की लहर में डुबो दिया। उन्होंने कहा — "मैं सेवानिवृत्त हो रहा हूँ, लेकिन इस अस्पताल को मेरी सेवाएँ सातों दिन, हर समय मिलती रहेंगी।" यह केवल शब्द नहीं थे; यह उनके जीवन-दर्शन, अडिग चरित्र और निस्वार्थ सेवा की प्रत्यक्ष अभिव्यक्ति थी। रिटायरमेंट उनके लिए सिर्फ एक औपचारिकता है—सेवा तो उनकी आत्मा में बसती है, और यही उनकी महानता और व्यक्तित्व का सर्वोत्तम परिचय है।

आज के समय में, जब चिकित्सा तेजी से मुनाफे और व्यापार का माध्यम बनती जा रही है, डॉ. आशुतोष शर्मा जैसे चिकित्सक यह प्रतिपादित करते हैं कि यह पेशा अब भी करुणा, संवेदना, पवित्रता और मानवता से ओत-प्रोत रह सकता है। उन्होंने यह स्पष्ट रूप से दिखाया है कि डॉक्टर केवल दवाइयाँ देने वाला नहीं होता, बल्कि टूटते मन को संबल देने वाला, निराश चेहरे पर विश्वास जगाने वाला और संकट की घड़ी में आशा का दीपक बनने वाला होता है। इसी दृष्टिकोण और समर्पण के साथ उन्होंने शासकीय अस्पताल को एंटीरैबीज वैक्सीन सेंटर का ब्रांड बनाया, जिससे यह केन्द्र न केवल चिकित्सा सेवा का प्रतीक बना, बल्कि विश्वास, सुरक्षा और मानवता का भी स्थायी प्रतीक बन गया।

डॉ. शर्मा की सेवा-यात्रा हर चिकित्सक के लिए एक मिसाल है। यदि हर डॉक्टर उनके समर्पण, निष्ठा और मरीजों के प्रति प्रेम का केवल दस प्रतिशत भी अपनाएँ, तो चिकित्सा पेशा फिर से समाज में अपना खोया हुआ सम्मान, विश्वास और गरिमा हासिल कर सकता है। डॉ. आशुतोष शर्मा, भले ही आप आज औपचारिक रूप से सेवानिवृत्त हो रहे हैं, आपकी करुणा, सादगी, निष्ठा और अटूट समर्पण लाल अस्पताल की हर दीवार, हर गलियारा और हजारों-लाखों मरीजों के दिलों में हमेशा जीवित रहेगा।

आपका नाम केवल एक डॉक्टर के रूप में नहीं, बल्कि सेवा, संवेदना और मानवता के प्रतीक के रूप में सदैव याद किया जाएगा। हर मरीज, सहयोगी और सभी जिन्होंने आपके मार्गदर्शन और करुणा को अनुभव किया, वे आपकी निस्वार्थता के लिए सदा ऋणी रहेंगे। सबकी ओर से—अथाह सम्मान, गहरी कृतज्ञता और हार्दिक शुभकामनाएँ। आप स्वस्थ, सुखी और दीर्घायु रहें। जीवन के इस नए अध्याय में भी आपको वही शांति, वही सम्मान और वही संतोष प्राप्त हो, जिनके आप सच्चे अधिकारी हैं।

आलोचना ही महानता की पहचान है

डॉ. विक्रम चौरसिया

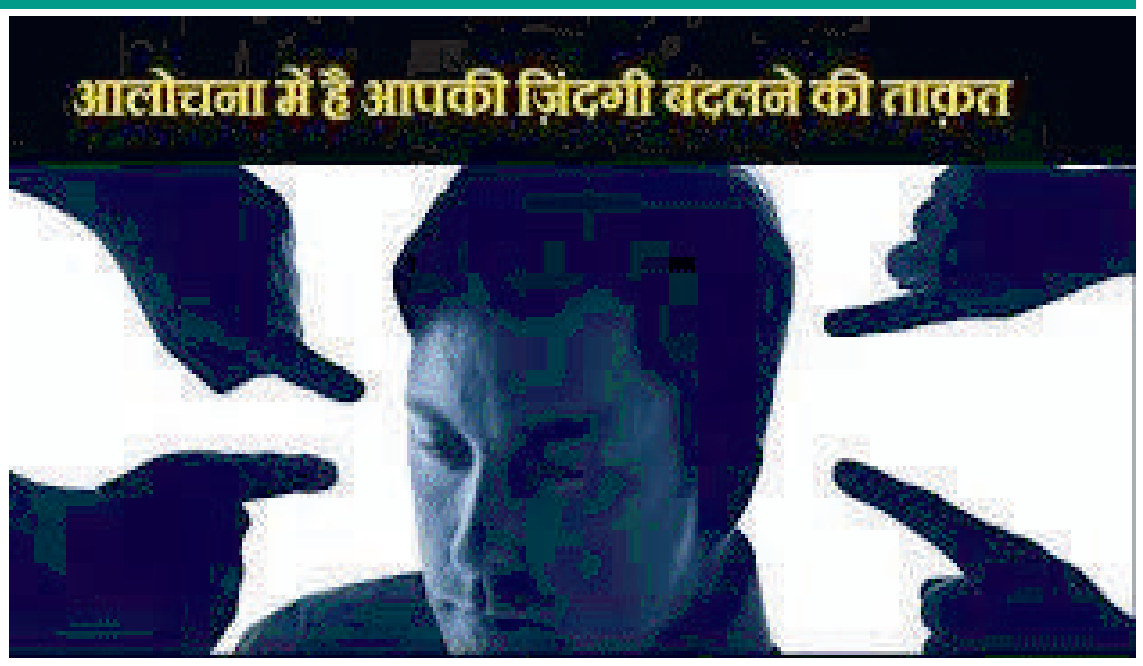

जीवन में जब आप कुछ अलग करने का निर्णय लेते हैं, तो सबसे पहले आपका स्वागत तालियों से नहीं, बल्कि आलोचनाओं से होता है। यही जीवन का सच्चाई है, जो भी व्यक्ति भीड़ से अलग चलने का साहस करता है, वही सबसे अधिक सवालों, तानों और विरोध का सामना करता है। लेकिन सच्चाई यह है कि आलोचना ही उस चिंगारी की तरह होती है, जो व्यक्ति के भीतर छिपी हुई क्षमता को प्रज्वलित कर देती है।

सामान्य राह पर चलने वाले लोग अक्सर चर्चा से दूर रहते हैं, क्योंकि वे जोखिम नहीं लेते। लेकिन जो अपने सपनों को सच करने का साहस रखते हैं, वही समाज की नजरों में आते हैं कभी प्रशंसा के रूप में, तो कभी आलोचना के रूप में। ऐसे में यह हम पर निर्भर करता है कि हम आलोचना को अपनी कमजोरी बनाते हैं या अपनी ताकत।

इतिहास गवाह है कि महानता का रास्ता कभी आसान नहीं रहा। अब्राहम लिंकन ने अपने जीवन में असफलताओं की लंबी श्रृंखला देखी व्यापार में नुकसान, चुनावों में लगातार हार, निजी जीवन में संघर्ष लेकिन उन्होंने कभी हार नहीं मानी। हर असफलता ने उन्हें और मजबूत बनाया, और अंततः वही व्यक्ति विश्व इतिहास के महान नेताओं में शामिल हुआ।

एक सरल लेकिन गहरी सीख देने वाली घटना भी इस सत्य को उजागर करती है। एक किसान का बेटा बार-बार असफल हो रहा था। समाज के लोग उसका मजाक उड़ाते, उसे नाकाम और पागल तक कहते। लेकिन उसके पिता ने हार मानने के बजाय उसे समझाया असफलता तुम्हें गिराने नहीं, बल्कि सिखाने आई है। यही विश्वास उस बच्चे की ताकत बना, और समय के साथ वही लड़का सफलता की ऊँचाइयों को छूकर उन्हीं लोगों के लिए प्रेरणा बन गया, जो कभी उसे तुच्छ समझते थे।

आज के दौर में समस्या यह है कि लोग असफलता को अंत मान लेते हैं, जबकि वह केवल एक पड़ाव है। थोड़ी सी कठिनाई आते ही लोग अपने लक्ष्य से भटक जाते हैं, जबकि सच्चाई यह है कि सफलता का मार्ग संघर्ष, धैर्य और निरंतर प्रयास से होकर ही गुजरता है। यदि आपके सपने बड़े हैं, तो आपके सामने आने वाली चुनौतियाँ भी बड़ी होंगी लेकिन यही चुनौतियाँ आपको तराशती हैं और आपकी असली पहचान बनाती हैं।

यह समझना भी जरूरी है कि आलोचना और ईर्ष्या, दोनों ही इस बात के संकेत हैं कि आप कुछ अलग और बेहतर कर रहे हैं। इसलिए सार्थक आलोचना को अपनाइए, उससे सीखिए, और निरर्थक बातों को नजरअंदाज कर आगे बढ़ते रहिए। स्वामी विवेकानंद का संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य की प्राप्ति न हो जाए।

अंततः, जीवन की हर असफलता हमें मजबूत बनाने के लिए आती है। वह हमें गिराकर नहीं, बल्कि उठकर आगे बढ़ने का साहस सिखाती है। जो व्यक्ति हर परिस्थिति में अपने आत्मविश्वास को बनाए रखता है और लगातार प्रयास करता है, वही अंततः सफलता का स्वाद चखता है।

याद रखिए असफलता अंत नहीं, बल्कि एक नई शुरुआत है।

और अक्सर, वही लोग इतिहास रचते हैं, जिनकी शुरुआत आलोचनाओं से होती है।

बापू धाम में महावीर जयंती समारोहः डिप्टी सीएम विजय सिन्हा को वंचित मुक्ति मोर्चा ने किया सम्मानित

परिवहन विशेष न्यूज

पटना, बापू धाम मे भगवान महाबीर जयन्यती कार्यक्रम के शुभ अवसर पर वंचित मुक्ती मोर्चा के बिहार प्रदेश अध्यक्ष सह झारखण्ड प्रभारी रामा शीष चौहान जी के नेतृत्व मे बिहार सरकार के उप मुख्य मंत्री भाई विजय कुमार सिन्हा जी को वस्त्र और फूलो की गुलदस्ता दे कर सम्मानीत करते हुये । जयन्ती समारोह मे उपस्थीत जनता जनारधन से अपील करते हुये आहवान किया । भगवान महाबीर जी के आदर्श पर चलकर ही एक अच्छे इन्सान बन सकते। भगवान महाबीर जी का संदेश ₹ जियो और जिने दोह यह दिन समाज को करूणा, प्रेम और अहिंसा के मार्ग पर चलने का प्रेरणा देता है। भगवान महाबीर का जन्म बिहार के बैशाली जिला मे हुआ था। बिहार से चल कर यह संदेश पुरे भारत मे फैल गया है अब तो विदेशो मे भी चर्चाये होती है। हमारे देश के प्रधान मंत्री भाई नरेन्द्र मोदी जी जब भी हिन्दुस्तान से दुसरे देश जाते है , तो अपना परिचय देते है । हम भगवान महाबीर जैन की जन्म भूमी के देश से आया हूँ। जहां ₹ अहिंसा परमो धर्मः के रासते पर चलते है। पुरा दुनिया मे शान्ती तभी आयेंगे । जब हमलोग भगवान महाबीर जी के बताये हेये रास्ते पर चलेंगे। अहिंसा से कोई समस्या का समाधान नही है। शान्ती से बात चीत के माध्यम से सभी समस्या का समाधान हो सकता है। कार्यक्रम मे उपस्थीत ,झारखण्ड प्रदेश अध्यक्ष ,अशोक कुमार पाण्डे,प्रदेश महा सचीव सुनिल कुमार वर्मन, सुभाष यादव,रंजीत पासवान,संगीता देवी,सवित्री देवी,प्रेम मंडल, दिनेश मंडल,कयुमुदीन अनसारी,रीता कुमारी, पिंकी दास, सुमन्ती दास,अनिल शर्मा ।

डॉ. विजय गर्ग की बुक 'फ्रॉम फेल्योर टू सक्सेस' निशान अकादमी औलख में लोक अर्पन की गई

परिवहन विशेष न्यूज

प्रख्यात लेखक और सेवानिवृत्त प्रिंसिपल डॉ. विजय गर्ग द्वारा लिखित ₹फ्रॉम फेल्योर टू सक्सेसर नामक एक नई पुस्तक आज प्रिंसिपल हरप्रीत कौर और निदेशक मिस्टर इकोंकार सिंह द्वारा लोक अर्पन की गई। लोक अर्पन समारोह में वरिष्ठ सदस्यों ने भाग लिया। इस अवसर पर बोलते हुए प्रिंसिपल हरप्रीत कौर ने शिक्षा के क्षेत्र में डॉ विजय गर्ग के योगदान की प्रशंसा की तथा उनके साहित्यिक कार्य की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह पुस्तक छात्रों और समाज के लिए एक मूल्यवान संसाधन होगी, जो आने वाली पीढ़ियों को ज्ञान और मार्गदर्शन प्रदान करेगी। लेखक डॉ. विजय गर्ग ने पुस्तक लिखने के पीछे का उद्देश्य बताते हुए कहा कि यह अग्रणी लोगों की प्रतिभा को दर्शाता है, जैसे कि विफलता को अक्सर गलत समझा जाता है। इससे डरता है, बचाया जाता है और कभी-कभी इसे जीवन के अंत के रूप में देखा जाता है। फिर भी, वास्तविकता में, असफलता सफलता का विपरीत नहीं है। यह इसका एक अनिवार्य हिस्सा है। डॉ. गर्ग ने आगे कहा आज की तेज गति वाली दुनिया में, जहां सफलता को अक्सर त्वरित परिणामों से मापा जाता है, यह भूलना आसान है कि सच्ची वृद्धि के लिए समय लगता है। यह पुस्तक धैर्य, दृढ़ता और अपनी यात्रा की गहरी समझ को प्रोत्साहित करती है। यह हमें याद दिलाता है कि प्रत्येक सफलता की कहानी के पीछे असफलताओं की एक श्रृंखला होती है जिनका सामना किया गया, समझा गया और उसमें बदलाव आया।

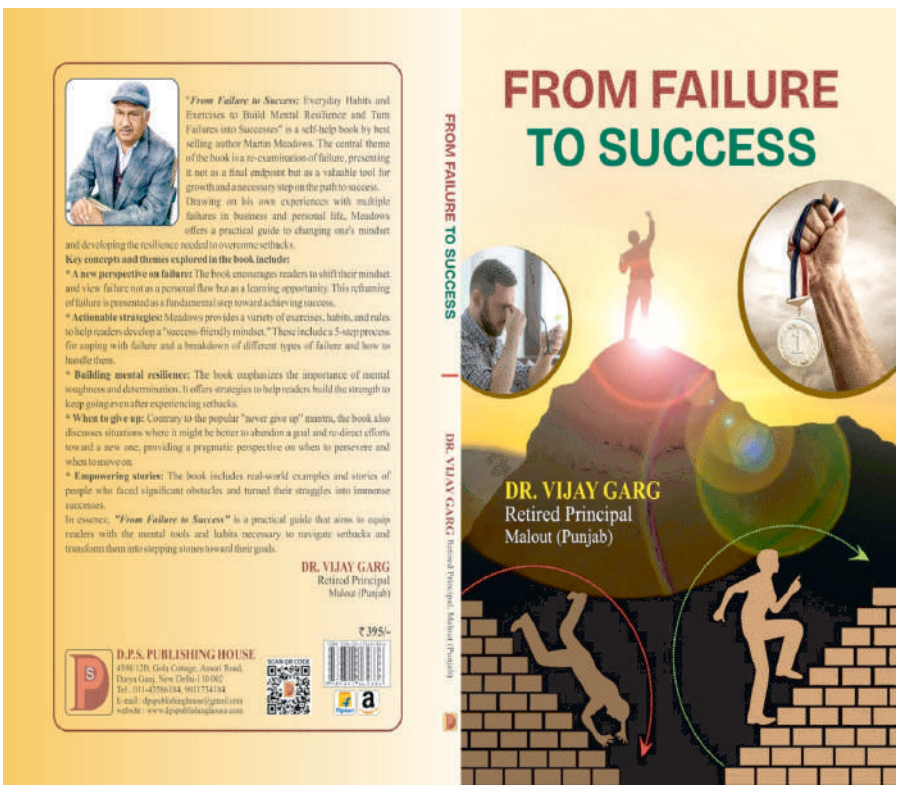

गीतांजलि काव्य प्रसार मंच के विभिन्न प्रकोष्ठों व इकाइयों की कार्यकारिणी घोषित

डॉ. शंभु पंवार

नई दिल्ली, 31 मार्च। राजधानी की प्रतिष्ठित साहित्यिक संस्था गीतांजलि काव्य प्रसार मंच दिल्ली, की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं सुप्रसिद्ध साहित्यकार, कवयित्री एवं मोटिवेशनल काउंसलर डॉ. गीतांजलि नीरज अरोडा 'गीत' ने मंच के विभिन्न प्रकोष्ठों एवं इकाइयों की नई कार्यकारिणी की घोषणा की है। इस घोषणा के साथ ही मीडिया प्रकोष्ठ, युवा साहित्यिक प्रकोष्ठ एवं विभिन्न शहरों की इकाइयों में महत्वपूर्ण दायित्व सौंपे गए हैं।

मंच के मीडिया प्रकोष्ठ में डॉ. शंभु पंवार को मुख्य मीडिया प्रबंधक नियुक्त किया गया है। इसके अतिरिक्त डॉ. कामना मिश्रा को सोशल मीडिया, विकास मिश्रा को प्रिंट मीडिया तथा सुभाष प्रतापगढ़ी को प्रिंट व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की जिम्मेदारी दी गई है।वहीं युवा साहित्यिक प्रकोष्ठ में हिमांशु शुक्ल को संयोजक बनाया गया है, जो युवा रचनाकारों को मंच से जोड़ने और साहित्यिक गतिविधियों को आगे बढ़ाने का कार्य करेंगे। इसके अलावा मंच की विभिन्न इकाइयों में भी नई कार्यकारिणी का गठन किया गया है।

गाजियाबाद इकाई में संध्या सेठ को अध्यक्ष, अर्चना मेहरा को उपाध्यक्ष एवं डॉ. ईशा भारद्वाज को सचिव बनाया गया है।

दिल्ली इकाई में पुष्प लता 'पुष्प' को अध्यक्ष, दीपिका वल्दिया को उपाध्यक्ष तथा रजनी बाला 'सहज' को सचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

नोएडा इकाई में रश्मि भटनागर को अध्यक्ष, अर्चना सिंह को उपाध्यक्ष एवं अपर्णा गर्ग को सचिव नियुक्त किया गया है।

गुरुग्राम इकाई में वीणा अग्रवाल को परामर्शदात्री, शकुंतला मित्तल को अध्यक्ष, लोकेश चौधरी को उपाध्यक्ष तथा रेणु मिश्रा 'रतन' को सचिव बनाया गया है।

मंच की राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. गीतांजलि नीरज अरोडा 'गीत' ने सभी नव-नियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि प्रकोष्ठ एवं इकाइयों की नई टीम मंच की साहित्यिक गतिविधियों को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएगी तथा देशभर में साहित्यिक चेतना को सशक्त करेगी।

मिशन शक्ति 5.0 के द्वितीय चरण के अंतर्गत कस्बा बिनावर में छात्राओं को विभिन्न योजनाओं से जागरूक किया

{संवाददाता: शिवेंद्र यादव}

बिनावर: उत्तर प्रदेश के बदायूं जिले में मिशन शक्ति अभियान फेज-5.0 (द्वितीय चरण) के अंतर्गत महिला पुलिस टीम ने 31 मार्च 2026 को बरेली बदायूं हाईवे मार्ग बिनावर स्थित वीरांगना रानी लक्ष्मी बाई पब्लिक विद्यालय में छात्राओं को आत्मनिर्भरता, सुरक्षा और सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूक किया। इस दौरान 'गुड टच-बैड टच', साइबर सुरक्षा और कन्या सुमंगला जैसी योजनाओं के साथ-साथ टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबरों (1090, 181, 112) की विस्तृत जानकारी दी गई। इस दौरान मिशन शक्ति अभियान फेज-5.0 (द्वितीय चरण) के अंतर्गत महिला पुलिस टीम में हेड कांस्टेबल सोनिका सिंह, हेड कांस्टेबल फरहा नाज़, कांस्टेबल टीना मौजूद रही।

सीआरपीएफ 137 बटालियन का 'नशा मुक्त अभियान', उधमपुर में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

सैकड़ों लोगों ने लिया नशा मुक्त समाज का संकल्प

उधमपुर। सीआरपीएफ की 137 बटालियन द्वारा सिविक एक्शन प्रोग्राम के तहत 'नशा मुक्त अभियान' के अंतर्गत सिक्स गवर्नमेंट मॉडल हायर सेकेंडरी स्कूल (बॉयज), उधमपुर में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं, अभिभावक, शिक्षक एवं स्थानीय लोग शामिल हुए। मुख्य अतिथि के रूप में उपायुक्त सलोनी राय (आईएएस) मौजूद रहीं। उनके साथ एडिशनल डिप्टी कमिश्नर प्रेम सिंह, कमांडेंट एम.के. सिकोन, प्रिंसिपल मनोज कुमार जाद, एडिशनल एसपी संदीप भट्ट, एसडीपीओ अभिजीत सिरोही समेत कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए इससे दूर रहने का संदेश दिया। इस अवसर पर प्रतिभागियों के बीच टी-शर्ट, शॉल एवं मोमेंटो वितरित किए गए। करीब 700 प्रतिभागियों ने 'नशा मुक्त भारत' का संकल्प लिया। कार्यक्रम की व्यापक सराहना की गई।

इलेक्ट्रिकल ट्रेडर्स एसोसिएशन अमृतसर द्वारा साप्ताहिक राशन वितरण अभियान जारी :-प्रधान बलबीर भसीन

अमृतसर 30 मार्च (साहिल बेरी)

अमृतसर: इलेक्ट्रिकल ट्रेडर्स एसोसिएशन अमृतसर के प्रधान श्री बलबीर भसीन की अगुवाई में एसोसिएशन के सदस्यों द्वारा एक सराहनीय पहल की जा रही है। इस पहल के तहत हर सप्ताह सोमवार को एसोसिएशन से जुड़े इलेक्ट्रिकल दुकानदारों के यहां कार्यरत 5 कर्मचारियों को राशन वितरित किया जाता है।

इसी कड़ी में आज 82वें प्रयास के अंतर्गत प्रिंस इलेक्ट्रॉनिक्स, रविदास रोड, हॉल बाजार, अमृतसर में कार्यरत पांच कर्मचारियों को राशन वितरित किया गया। यह सेवा कार्य नियमित रूप से हर सप्ताह जारी रहेगा।

इस अवसर पर एसोसिएशन के प्रधान श्री बलबीर भसीन के अलावा मुख्य अतिथि के रूप में सब-इंस्पेक्टर दलजीत सिंह उपस्थित रहे। उनके साथ सलवंत सिंह, रणजीत सिंह नागपाल, मॉडर्न लाइट से राहुल शर्मा, इंडिका इलेक्ट्रॉनिक्स से अश्वनी कुमार, प्रिंस इलेक्ट्रॉनिक्स से संजीव कुमार, राजिंदर कुमार, न्यू लक्ष्मी इलेक्ट्रॉनिक कंपनी से अश्वनी गुप्ता, फाइन मार्केटिंग से गुरबख्श मरवाहा, परसोतम मरवाहा और मनोज सरीन भी मौजूद रहे।

अमनदीप अस्पताल ने उजाला सिग्नस के साथ साझेदारी में दो हफ्तों में छह रोबोटिक कैंसर - सर्जरी का मील का पत्थर हासिल किया

अमृतसर, 31 मार्च (साहिल बेरी)

अमनदीप अस्पताल ने उजाला सिग्नस के साथ साझेदारी में उन्नत रोबोटिक सिस्टम स्थापित करने के केवल दो सप्ताह के भीतर छह रोबोटिक कैंसर सर्जरी सफलतापूर्वक पूरी करके एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। अस्पताल अब जीआई-ऑन्को, थोरैसिक-ऑन्को, गायने-ऑन्को और यूरो-ऑन्को जैसी जटिल कैंसर सर्जरी रोज़ाना कर रहा है।

"इस पहल का उद्देश्य मरीजों को उन्नत कैंसर उपचार की सुविधा देना है ताकि उन्हें मेट्रो शहरों में जाने की आवश्यकता न पड़े," अमनदीप अस्पताल की संस्थापक और निदेशक डॉ. अमनदीप कौर ने कहा। "हमारा रोबोटिक कार्यक्रम तेज़ रिकवरी और विशेषज्ञ देखभाल प्रदान करता है, जो मरीजों के परिणामों में बड़ा बदलाव लाता है।"

"हम अपने मरीजों को रोबोटिक सर्जरी की सुविधा देने के लिए उत्साहित हैं, जिससे उन्हें न्यूनतम चीरे के साथ सटीक और उन्नत सर्जरी का लाभ मिलता है," अमनदीप अस्पताल के कंसल्टेंट सर्जिकल ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. शेषांक ने कहा। "यह तकनीक हमें कम दर्द, छोटे चीरे और तेज़ रिकवरी के साथ जटिल सर्जरी करने में सक्षम बनाती है।"

"रोबोटिक सर्जरी की शुरुआत इस क्षेत्र के स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए एक क्रांतिकारी कदम है, और हमें इस बदलाव के अग्रणी होने पर गर्व है," अमनदीप अस्पताल एवं उजाला सिग्नस में इंस्टीट्यूट ऑफ ऑर्थोपेडिक्स के चेयरमैन और ऑर्थो रोबोटिक सर्जरी के अग्रणी डॉ. अवतार सिंह ने कहा। "यह तकनीक सर्जिकल देखभाल के मानकों को पुनर्परिभाषित करने वाली है, और हम इसे सभी के लिए सुलभ बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।"

"उजाला सिग्नस के साथ साझेदारी ने अमनदीप अस्पताल को शहर में अत्याधुनिक तकनीक लाने में सक्षम बनाया है, जिससे स्त्री रोग, कैंसर सर्जरी, सामान्य सर्जरी, यूरोलॉजी, कार्डियक सर्जरी और थोरैसिक सर्जरी जैसे क्षेत्रों को लाभ मिल रहा है," अमनदीप अस्पताल के निदेशक डॉ. शाहबाज़ सिंह ने कहा।

अमनदीप समूह एक प्रमुख स्वास्थ्य सेवा नेटवर्क के रूप में विकसित हुआ है, जिसमें 750 से अधिक बेड और 170 से अधिक विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम शामिल है। इसके छह प्रमुख स्थान हैं – अमृतसर में दो अत्याधुनिक अस्पताल और पथानकोट, फिरोज़पुर, श्रीनगर और तरन तारन में एक-एक अस्पताल। सेवा की समृद्ध विरासत के साथ, इस समूह ने 25 लाख से अधिक मरीजों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया है और क्षेत्र में सुलभ, किफायती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं के मानक को लगातार ऊँचा किया है।

भगवती केरा मां की वार्षिक पूजा, परंपरा सह चैत्र पर्व का आयोजन एक अप्रैल से

कार्तिक कुमार परिच्छा, स्टेट हेड - झारखंड

रांची, चक्रधरपुर निकट केरा सामंत राजा गढ की देवी माँ भगवती के वार्षिक पूजा महोत्सव केरा राजपरिवार के सौजन्य से आगामी 1 अप्रल से शुरू हो रही हैं। जिनका अपना एक ऐतिहासिक विरासत का यह उत्सव अंग है ।

यह केरा सामंत राज परिवार के प्राचीन परंपराओं और वैदिक रीति-रिवाजों के अनुसार आज भी प्रचलित है ।जहां लाखों की संख्या में भक्त मां के अनुयाई है

इस अवसर पर शुभ घट : तिथि: 01-04-2026 चैत्र 18 दिन, बुधवार शुभ समयः रात्रि 10.37 के बाद आगमन होगा । इसके बाद यात्रा घटः तिथिः 10-04-2026 ,चैत्र 27 दिन, शुक्रवार

शुभ समयः रात्रि 10.14 के बाद

तत्पश्चात वृंदावन यात्रा, चटिया चटणी : तिथिः 11-04-2026 चैत्र 28 दिन शनिवार, शुभ समयः रात्रि 07.31 के बाद होगा भगवान श्रीकृष्ण को समर्पित गरियाभार यात्रा ।

इसी प्रकार राजबाड़ी केरा में रात्रि में छऊ नृत्य : तिथिः 12-04-2026, चैत्र 29 दिन रविवार, शुभ समयः सूर्यास्त से रात्रि 01.10 तक होगा । मेलु जलाभिषेक, मंदिर परिसर में रात्रि में। छऊ नृत्य : तिथिः 13-04-2026 चैत्र 30 दिन सोमवार को निर्धारित है ।

कालिका घट : तिथिः 14-04-2026 बैशाख 1 दिन मंगलवार, शुभ समयः पूर्व रात्रि से प्रातः 07.01 मिनट तक रहेगा ।

इस संदर्भ में मंदिर की पवित्रता और परंपराओं को ध्यान में रखते हुए, केरा राज परिवा ने कहा है कि 02 अप्रैल 2026 से 15 अप्रैल 2026 तक माँ भगवती मंदिर परिसर में तांत्रिक पूजा नहीं होगी ।

सांस्कृतिक महोत्सव के बनाए रखने हेतु पोड़ाहाट राज्य का अंश केरा आज भी तत्पर है ।

भुवनेश्वर में लिफ्ट बूथ पर महिला से गैंगरेप: 2 गिरफ्तार

मनोरंजन सासमल , स्टेट हेड हेड ओडिशा

भूबनेश्वर : राजधानी में शर्मनाक घटना। बंगाली महिला से लिफ्ट बूथ में गैंगरेप किया गया। स्टेशन पर छोड़ने के लिए कहने पर दो बदमाशों ने महिला के साथ ऐसा किया। ऐसी ही घिनौनी घटना भुवनेश्वर के तमांडो थाना इलाके में हुई। पुलिस ने इस घटना में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए दो आरोपी नयागढ़ इलाके के विचित्र साहू और नारायण स्वैन हैं। दोनों की पहचान एक प्राइवेट एम्बुलेंस के कर्मचारी के तौर पर हुई है। पश्चिम बंगाल की एक महिला अपने रिश्तेदार का इलाज कराने भुवनेश्वर AIIMS आई थी। अपने रिश्तेदार को अस्पताल में छोड़कर वह पश्चिम बंगाल वापस जाना चाहती थी। इसलिए वह स्टेशन जाने के लिए गाड़ी का इंतजार कर रही थी। तभी एक प्राइवेट एम्बुलेंस के दो ड्राइवरों ने महिला को अकेला देखा और पूछा कि वह कहां जा रही है। यह जानते हुए कि महिला स्टेशन जा रही है, उन्होंने उसे छोड़ने के लिए कहा। स्टेशन पर छोड़ने के लिए कहकर वे उसे पास के जंगल में ले गए। वहां उन्होंने महिला के साथ गैंगरेप किया।

महिला ने तमांडो पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत मिलने के बाद तमांडो पुलिस स्टेशन ने घटना की जांच की। जांच के बाद पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। भुवनेश्वर DCP ने इस बारे में जानकारी दी है।

संयुक्त विपक्ष ने राज्य के स्वास्थ्य मंत्री को तुरंत बर्खास्त करने की मांग की, राज्यपाल को ज्ञापन सौंपा

मनोरंजन सासमल , स्टेट हेड ओडिशा

भुवनेश्वर : संयुक्त विपक्ष के 49 सदस्यों वाले एक प्रतिनिधिमंडल ने लोक भवन में ओडिशा के राज्यपाल को एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कटक जनरल अस्पताल में भयानक आग लगने की घटना और मौतों के लिए जिम्मेदार सभी अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की गई। प्रतिनिधिमंडल में बीजू जनता दल, कांग्रेस, CPI(M), CPI, CPI(ML) लिबरेशन, फॉरवर्ड ब्लॉक, समाजवादी पार्टी, NCP (शरद पवार), समता क्रांति दल और RJD के नेता शामिल हुए।

बीजद के वरिष्ठ राज्य उपाध्यक्ष देवी प्रसाद मिश्रा, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भक्त चरण दास, सीपीआई राज्य सचिव डॉ प्रशांत कुमार मिश्रा, सीपीआई (एम) राज्य सचिव सुरेश चंद्र पानीग्रही, सीपीआई (एमएल) लिबरेशन के राज्य सचिव युधिष्ठिर महापात्र, फॉरवर्ड ब्लॉक के राज्य महासचिव ज्योति रंजन महापात्र, समता क्रांति दल के राज्य महासचिव प्रभास कुमार सामंतरा, एनसीपी के राज्य अध्यक्ष विक्रम स्वैन, समाजवादी पार्टी के राज्य नेता प्रदीप कुमार मिश्रा और राजद के राज्य महासचिव हेमंत कुमार सहित विभिन्न दलों के वरिष्ठ नेता उपस्थित थे।

बीजू जनता दल के प्रतिनिधिमंडल में अतनु सब्यसाची नायक, प्रताप जेना, अशोक चंद्र पंडा, टुकुनी साहू, पृथ्वी रंजन घराई, सुमित्रा जेना, प्रशांत मुदुली, भृगु बक्सिपात्रा, प्रफुल्ल सिंह, सुभाष सिंह, सुलोचना दास, मनमथ राउतराय, बिजय नायक, लेनिन मोहंती, चिन्मय साहू, इप्सित साहू और सुरेंद्र महापात्र शामिल थे। कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल में प्रसाद हरिचंदन, श्रीकांत जेना, जगन्नाथ पटनायक, सुरेश राउतराय, तारा प्रसाद बहिनिपति, संतोष सिंह सलूजा, ललातेन्दु महापात्र, सिद्धार्थ पूर्व दाश, मीनाक्षी बहिनिपति, रवि मल्लिक, सुरेश महापात्र, रंजीत पट्टारा, सीएस राजन एक्का और प्रकाश जेना शामिल थे। भाकपा प्रतिनिधिमंडल में एन नारायण रेड्डी, जयंत दास, माकपा विष्णु चरण मोहंती, बद्री नारायण दास, भाकपा (माले) लिबरेशन महेंद्र परिदा, बिधान दास, ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक लक्ष्मी शामिल थे।

ज्ञापन में मुख्य मांगें थीं- इस अग्निकांड में 13 मरीजों की मौत एक सुनियोजित हत्या है। इसके लिए संयुक्त विपक्षी दल ने स्वास्थ्य मंत्री को मंत्रिमंडल से अविलंब बर्खास्त करने की मांग की है। अस्पताल अधीक्षक सहित सभी जिम्मेदार अधिकारियों को गिरफ्तार किया जाए, उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के नेतृत्व में न्यायिक जांच कराकर तत्काल रिपोर्ट प्रकाशित की जाए, मृतकों के परिजनों को 5 लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी जाए। हर मरने वाले के परिवार को 1 करोड़ रुपये और परिवार के एक सदस्य को नौकरी दी जानी चाहिए। घायलों को बेहतर और मुफ़्त इलाज दिया जाना चाहिए।

सभी सरकारी अस्पतालों में तुरंत फायर सेफ्टी ऑडिट किया जाना चाहिए, हर मरने वाले के परिवार को 1 करोड़ रुपये की आर्थिक मदद और परिवार के एक सदस्य को नौकरी दी जानी चाहिए। घायलों को बेहतर और मुफ़्त इलाज दिया जाना चाहिए।a

आदिवासी हो समाज महासभा में कोल्हान रक्षा संघ एवं सृजन का जोरदार आतिथ्य

*अध्यक्ष डिबार जोंकों ने हो भाषा- संस्कृति पर दिया जोर तो परिच्छा ने जनगणना-26 में ओड़िया का परिचय बनाये रखने को कहा

*कार्तिक कुमार परिच्छा, स्टेट हेड -झारखंड

रांची, पश्चिमी सिंहभूम जिला कोल्हान की धरती पर आदिवासी हो महासभा द्वारा आहुत मांगे मिलन समारोह में कोल्हान रक्षा संघ को मुख्य अतिथि के रूप में बाजे गाजे पारंपरिक नृत्य से साथ मंचासिन कराया गया । जहां मुख्य अतिथि के तौर पर इसी इलाके संत अगस्टीन मनोहरपुर तथा टाटा कालेज चाईबासा में चालिस वर्ष पूर्व अर्थशास्त्र में व्याख्याता रहे एवं कालान्तर में बिहार व झारखंड सरकार के वरीय प्रशासनिक अधिकारी डिबार जोंकों ने सृजन नामक नोवा मुंडी की संस्था के साथ इसकी अध्यक्षता की । जहां उन्होने आदिवासी हो भाषा , नृत्य संस्कृति संरक्षण , जंगल में रह रहे लोगों की मूलभूत आवश्यकताओं एवं उनकी रोजी रोजगार पर वल दिया ।

मनोहरपुर प्रखंड के मनीपुर हाथी गेट के सामने स्थित आमबगान पर आदिवासी हो समाज महासभा के तत्वावधान में आयोजित मागे मिलन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि कोल्हान रक्षा संघ के अध्यक्ष डीबार जोंकों समेत मानसिंह हेंब्रम, रविंद्र मंडल, सुखदेव हेम्बरम समेत दर्जनाधिक लोगों ने इसमें शिरकत की । जहां आदिवासी परंपरा के तहत स्वगत करते हुए बालाओं द्वारा नाचते हुए उन्हें मंच पर ले गये । इस अवसर पर भगवान बिरसा मुंडा तथा हो भाषा के जनक लोकों बोदरा को एक एक कर सबने श्रद्धांजलि दी । अपने अध्यक्षीय भाषण में डीबार जोंकों ने कहा कि जो लड़कियां इस मांगे मिलन समारोह पर नाच रही है इस नृत्य के पीछे हमारी वैभवशाली परंपरा में विज्ञान छुपा हुआ है । उन्होंने इसे अक्षुण बनाये रखने हेतु बल दिया । श्री जोंकों ने हो भाषा को आठवीं अनुसूची में शामिल कराने की मांग को जोरदार तरीके से रखा । इसके अलावे संविधान वर्णित आर्टिकल 350ए के तहत प्रदत्त अधिकार को महफूज रखते हुए इलाके के हो भाषा , ओड़िआ भाषा एवं हर गांव के लोगों की उनकी भाषा अनुरूप शिक्षक देकर सर्वप्रथम मातृभाषा की संरक्षण पर वल दिया । श्री जोंको ने कहा हो एवं ओड़िया दोनों ही द्वितीय राजभाषा रही है झारखंड की ।उन्होने मनोहरपुर चिड़िया माईस तरफ जा रही सड़क, नोवामुडी सड़क की स्थिति सुधारने तथा लोगों की रोजी रोजगार पर बल दिया । सचिव मानसिंह हेंब्रम जो भारतीय थल सेना के जवान रहे हैं उन्होंने लोगों को डर एवं भ्रम से सदैव दुर रहने तथा दिल्ली, बंगलोर की तरह हर व्यक्ति विशेष कर महिलाओं को आर्थिक रूप से सुदृढ़ होने पर बल दिया । कार्तिक परिच्छा ने सर्वप्रथम पाईक विद्रोह दिवस पर पोड़ाहाट राजा अर्जून सिंह के सेना में अंग्रेज के विरूद्ध लडने वाले हर आदिवासी वीरों का जीक्र कर उन्हें नमन किया । अपना संबोधन ओड़िया भाषा देते हुए उन्होंने महज 40 किलोमीटर दुर राउरकेला इस्पात शहर से बसा इस इलाका तथा जिले मे आगामी जनगणना के समय अपनी भाषा ओडिया बोल कर परिचय देने की अपील की। साथ ही हो एवं अन्य भाषियों को अपना अपना भाषा पर परिचय रख संविधान की मर्यादा अनुरूप आरंभिक शिक्षा पाने व बढ़ने पर बल दिया । सुमित्रा जोंकों ने हो भाषा में अपना गाना गाकर सबक मन मोह लिया । इस अवसर पर मनोज कुमार चंपिया, नीम लुगून, अमरजीत लागुरी, सुमित बालमुचू, मोटाय तियू, मार्शल गुड़िया, बालकृष्ण हेम्बरम,बलराम सूरिन ,गुरू बारी देवगम,अशोक बाहदा, सुखदेव हेम्बरम, रविंद्र मंडल, अधिवक्ता पुनम हेंब्रम, जयसिंह हेंब्रम, सुमित्रा जोंकों , कार्तिक परिच्छा समेत दस हजार की भीड़ मांगे मिलन में मैके पर उपस्थित थे ।जो देर शाम तक बढ़ने लगी थी ।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। RNI No :- DELHIN/2023/86499. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023